कोटद्वार, रविवार
10 मई 2026
वर्षः 49
अंकः 20 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

ईडी रेड के बाद पंजाब के मंत्री गिरफ्तार

● अरोड़ा पर 100 करोड़ की फर्जी खरीद का है आरोप ● केजरीवाल बोले-पीएम मोदी पार्टी को तोड़ने में लगे हैं

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार के मंत्री संजीव अरोड़ा पर शनिवार को ईडी ने रेड की। सूत्रों के अनुसार, रेड के वक्त वह चंडीगढ़ में अपनी सरकारी कोठी पर ही थे, यहां से उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। रेड चंडीगढ़ में उनके सरकारी घर, दिल्ली और गुरुग्राम के ठिकानों में हुई है। चंडीगढ़ के सेक्टर-2 में ईडी टीम की 15 गाड़ियां एक साथ पहुंची और पूरा घर घेर लिया। इसके बाद बाहर

सीआरपीएफ के जवान तैनात कर दिए गए। किसी को भी घर के अंदर जाने या बाहर आने की अनुमति नहीं दी जा रही है। संजीव अरोड़ा पर साल में तीसरी और महीने में दूसरी बार ईडी ने रेड की है। ईडी सोर्सेज के मुताबिक 4 ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन चल रहा है। इसमें सरकारी घर के साथ हैंपटन स्काई रियलिटी लिमिटेड के ऑफिस पर भी रेड हुई है। अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि मोदी राज में एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। पंजाब के लोगों के साथ पीएम मोदी धक्का कर रहे हैं। ईडी को पार्टी तोड़ने में लगाया है, किसी मनी लॉन्ड्रिंग को पकड़ने के लिए नहीं। उधर, सीएम भगवंत मान ने कहा, पंजाब की तरफ आंख उठाकर मत देखना, पंजाबी आंखें निकाल देंगे।

यूपी-बिहार में आंधी-पानी का 'आतंक', 9 की मौत

● राजस्थान-एमपी में तापमान 43 डिग्री के पार, भारी गर्मी

पटना (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान में शुक्रवार को बारिश के साथ ओले गिरे। वहीं मध्य भारत में फिर से तेज गर्मी पड़ने लगी है। बिहार के पटना समेत 7 जिलों में शुक्रवार को तेज आंधी के साथ बारिश हुई। पेड़ और बिजली गिरने से 9 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 5 मौत राजधानी पटना में हुईं। आंधी में 600 से ज्यादा पेड़ भी गिर गए। उत्तर प्रदेश के

आगरा और जालौन में बारिश हुई। मऊ में ओले भी गिरे। शनिवार को 17 जिलों में आंधी-बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट है। राजस्थान का बाड़मेर देश में सबसे गर्म रहा। यहां तापमान 44.6 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं जैसलमेर और फलोदी में तापमान 44 डिग्री रहा। मध्य प्रदेश के 13 जिलों में आज आंधी-बारिश का अलर्ट है। शुक्रवार को रतलाम में पारा 43.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इधर, गुजरात के अहमदाबाद में तापमान 43.1 और महाराष्ट्र के वाशिम में 42.8 दर्ज किया गया। राजस्थान के पश्चिमी जिलों में शुक्रवार से हीटवेव का दौर शुरू हो गया। जैसलमेर और बाड़मेर में पारा 44 पर पहुंच गया।

● *रिटायर जनरल एनएस राजा सुब्रमणि नए सीडीएस होंगे*

देश के तीसरे चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, मोदी सरकार का ऐलान

● वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन अगले नौसेना प्रमुख होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिटायर लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि देश के अगले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) होंगे। केंद्र ने शनिवार को इसका ऐलान किया। सुब्रमणि रक्षा मामलों के विभाग के सचिव की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। सरकार ने वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को अगला नौसेना प्रमुख नियुक्त किया है। दोनों 31 मई को कार्यभार संभालेंगे।

मौजूदा सीडीएस अनिल चौहान का कार्यकाल 30 मई को खत्म हो रहा है। एनएस राजा सुब्रमणि देश के तीसरे सीडीएस होंगे। एनएस राजा सुब्रमणि ने दिसंबर 1985 में गढ़वाल राइफल्स से सेना में कमीशन लिया था। उन्होंने नेशनल डिफेंस अकादमी से सैन्य प्रशिक्षण हासिल किया। इसके बाद वे ब्रिटेन के ब्रैकनेल स्थित जॉइंट सर्विसेज कमांड एंड स्टाफ कॉलेज भी गए। भारत लौटने के बाद उन्हें माउंटेन ब्रिगेड में ब्रिगेड मेजर की

जिम्मेदारी दी गई। बाद में उन्होंने दिल्ली के नेशनल डिफेंस कॉलेज से पढ़ाई की। उनके पास लंदन के किंग्स कॉलेज से मास्टर ऑफ आर्ट्स और मद्रास यूनिवर्सिटी से डिफेंस स्टडीज में एमफिल की डिग्री भी है।

सुब्रमणि वर्तमान में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में सैन्य सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं। यह पद उन्होंने सितंबर 2025 से संभाला हुआ है। इससे पहले उन्होंने जुलाई 2024 से जुलाई 2025 के बीच सेना उप-प्रमुख के रूप में कार्य किया था।

टीआरई-4 छात्रों के समर्थन में उतरे कांग्रेस नेता राहुल

● कहा-रोजगार मांगो तो एनडीए सरकार में लाठी ही मिलती है

बीजेपी पर साधा निशाना, कहा-बेरोजगारी बनी बड़ी समस्या

पटना (एजेंसी)। बिहार में टीआरई-4 शिक्षक भर्ती का विज्ञापन जारी करने की मांग को लेकर पटना में छात्रों के प्रदर्शन पर अब सियासत तेज हो गई है। प्रदर्शनकारियों पर की गई पुलिस कार्रवाई को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने अपने एक्स हैंडल पर घटना का वीडियो साझा किया है। इसके साथ ही उन्होंने बिहार पुलिस की कार्रवाई की निंदा की। उन्होंने लिखा कि पटना में अपने रोजगार और भविष्य की मांग को लेकर

शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे शिक्षक अभ्यर्थियों पर पुलिस ने बेरहमी से लाठीचार्ज किया। उन्होंने कहा कि देश में बेरोजगारी सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है और इसका सबसे अधिक असर बिहार तथा उत्तर प्रदेश के युवाओं पर पड़ रहा है। लाखों युवा डिग्री और योग्यता होने के बावजूद रोजगार के लिए भटकने को मजबूर हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं के प्रति गंभीर नहीं दिख रही।

बिगड़ सकता है घर का बजट, बढ़ेगी महंगाई

● साबुन-बिस्किट से लेकर तेल तक सब महंगा होगा ● डाबर, एचयूएल सहित एफएमसीजी कंपनियां दाम बढ़ाएंगी

पैकेजिंग और कच्चे माल की लागत बढ़ी, तेल संकट वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। एफएमसीजी सेक्टर की दिग्गज कंपनी डाबर इंडिया ने अपने प्रोडक्ट्स की कीमतें बढ़ाने के संकेत दिए हैं। कंपनी का कहना है कि पैकेजिंग मटेरियल की बढ़ती कीमतों और मिडिल-ईस्ट में तनाव बढ़ने के कारण इनपुट कॉस्ट बढ़ गई है।

डाबर के अलावा हिंदुस्तान यूनिलीवर और नेस्ले जैसी कंपनियां भी महंगाई के दबाव का सामना कर रही हैं। ऐसे में आपके घर का बजट बिगड़ सकता है और साबुन, तेल, बिस्किट जैसे रोजमर्रा के सामान महंगे हो सकते हैं। डाबर इंडिया के ग्लोबल सीईओ मोहित मल्होत्रा के मुताबिक, कंपनी वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में कीमतें बढ़ा सकती है।

हालांकि, डाबर ने मौजूदा तिमाही में ही कीमतें करीब 4 फीसदी बढ़ाई थी, लेकिन कच्चे माल की लागत लगातार बढ़ रही है। डाबर का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 15.75 फीसदी बढ़ा है।

● ग्रामीण इलाकों में डिमांड लौटी, लेकिन मार्जिन पर दबाव- चौथी तिमाही के नतीजों में एक अच्छी बात यह रही कि ग्रामीण बाजारों में डिमांड में सुधार देखने को मिला है। लंबे समय के बाद छोटे शहरों और गांवों से वॉल्यूम ग्रोथ बढ़ी है। लेकिन जैसे ही खपत बढ़ना शुरू हुई, कंपनियों के सामने कच्चे माल का संकट खड़ा हो गया। खाने के तेल, दूध और पैकेजिंग मटेरियल की कीमतें दोबारा बढ़ने लगी हैं, जिससे कंपनियों पर दबाव पड़ रहा है।

बड़ी कंपनियां कीमत बढ़ाने की तैयारी कर रहीं

सिर्फ डाबर ही नहीं, बल्कि हिंदुस्तान यूनिलीवर, नेस्ले इंडिया, मैरिको, आईटीसी, ब्रिटानिया और गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स जैसी कंपनियों के कमेंटरी से साफ है कि इंडस्ट्री मुश्किल दौर के लिए तैयार हो रही है। इंडस्ट्री एक्सपर्ट का कहना है कि अगर मानसून औसत से कम रहता है और ग्लोबल हालात नहीं सुधरते, तो घरों के मंथली बिल में अच्छी-खासी बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। पिछली तिमाही में मिडिल-ईस्ट संघर्ष और हॉर्मुज रूट के बंद होने का पूरा असर इकोनॉमी पर नहीं दिखा था। लेकिन अब इसका असर सप्लाई चेन पर नजर आने लगा है। माल ढुलाई महंगी हो गई है। एफएमसीजी सेक्टर के लिए यह दोहरी मार जैसा है- एक तरफ मांग बढ़ रही है, तो दूसरी तरफ लागत।

5500 साल पुराने हरिदेव मंदिर में पुलिस ने जड़ा ताला

● सेवा को लेकर मचे भारी घमासान में कैद हो गए 'भगवान'

मथुरा (एजेंसी)। ब्रज के ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व रखने वाले ठाकुर श्री हरदेव जी महाराज मंदिर में शुक्रवार रात हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। गोस्वामी समाज के दो गुटों के बीच चल रहे आपसी विवाद के बाद पुलिस ने मंदिर के मुख्य द्वार पर ताला लटका दिया। इस कार्रवाई के बाद स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं ने पुलिस की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए हैं। इस वजह से श्रद्धालु मंदिर के अंदर दर्शन नहीं कर पा रहे हैं। गोस्वामी और स्थानीय लोगों का आरोप है कि गोवर्धन पुलिस ने मंदिर के मुख्य द्वार पर ताला लगवाया है। लोगों का कहना है कि गोस्वामी समाज में चल रहे निजी विवाद में

पुलिस ने किस अधिकार से प्राचीन मंदिर के मुख्य दरवाजे को बंद कर दिया है। आरोप है कि देर रात हुई इस तालाबंदी के कारण ठाकुर जी मंदिर में कैद होकर रह गए हैं।

पीछे का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे लोग- मंदिर के विवाद का घटनाक्रम यहीं नहीं रुका। बताया जा रहा है कि मुख्य द्वार बंद होने के बाद कुछ लोगों ने मंदिर के पीछे के दरवाजे का ताला तोड़ दिया और अंदर प्रवेश करके इन लोगों ने खुद को मंदिर के भीतर बंद कर लिया और जबरन सेवा करने का दावा कर रहे है। वहीं, दूसरे पक्ष का आरोप है कि पहला पक्ष सेवा के समय पर अवैध रूप से अधिकार जमाए बैठे है जबकि इस महीने उनकी सेवा है।

ब्रज के चार देवों में शामिल हैं हरदेव जी- गोवर्धन में स्थित ठाकुर श्री हरदेव जी मंदिर कोई साधारण स्थान नहीं है बल्कि ब्रज की आस्था का केंद्र है।

सुवेंदु ने ली शपथ, बने बंगाल में भाजपा के पहले सीएम

● दिलीप घोष समेत 5 मंत्री बने, गवर्नर रवि ने दिलाई शपथ ● प्रधानमंत्री मोदी का घुटनों के बल बैठकर जनता को प्रणाम

कोलकाता (एजेंसी)। सुवेंदु अधिकारी शनिवार को पश्चिम बंगाल में बीजेपी के पहले मुख्यमंत्री बन गए हैं। सुवेंदु ने बांग्ला में ईश्वर के नाम की शपथ ली। शपथ के बाद सुवेंदु, पीएम के पास गए और उन्हें झुककर प्रणाम किया। बंगाल के गवर्नर आरएन रवि ने सुवेंदु के अलावा 5 और विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई। इनमें दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदीराम टूडू और निषिथ प्रमाणिक शामिल रहे।

शपथ में पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, एनडीए और बीजेपी शासित राज्यों के 20 मुख्यमंत्री मौजूद रहे। कार्यक्रम में सबसे पहले मोदी ने मंच पर रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान पीएम ने भाजपा के 98 साल के कार्यकर्ता माखनलाल सरकार का सम्मान किया। **पीएम मोदी ने 98 साल के कार्यकर्ता के पैर छुए-** शपथ ग्रहण से पहले मंच पर पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल बीजेपी के सबसे बुजुर्ग कार्यकर्ताओं में से एक माखनलाल सरकार के पैर छुए। 98 साल के

माखनलाल सरकार 1952 में श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ कश्मीर में तिरंगा फहराने गए थे, जहां आंदोलन के दौरान उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

● **योगी ने सुवेंदु को भगवा गमछा ओढ़ाया-** सुवेंदु अधिकारी ने शपथ लेने के बाद मंच पर मौजूद सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों का अभिवादन किया। इस दौरान यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने उन्हें गेरुआ गमछा ओढ़ाया। पहली बार विधायक बने क्षुदीराम टुडू आदिवासी पोशाक में शपथ लेने पहुंचे। उन्होंने गले में बीजेपी का गमछा और सिर पर पीला गमछा बांध रखा था। पेशे से शिक्षक रहे क्षुदीराम रानीबांध सीट से पहली बार विधायक बने हैं। पीएम मोदी ने परेड ग्राउंड में रोड शो किया। वे ग्राउंड की एंट्री से मंच तक एक खास रूप से बनाए गए रथ में गए। इस दौरान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक और सुवेंदु अधिकारी भी मौजूद थे।

भारत ने 'फोड़' दी दुश्मन के कोने तक मार करने वाली मिसाइल

● चीन का घमंड हो गया चूर-चूर, सहम गए पड़ोसी बांग्लादेश और पाकिस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने परमाणु क्षमता वाली ंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का पहला परीक्षण कर ाया है। भारत के प्रमुख रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन

शुक्रवार शाम ओडिशा के चांदीपुर के पास समुद्री तट से ्र अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का हला परीक्षण किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह परीक्षण ग्नि-6 मिसाइल जैसा नहीं दिखता, लेकिन जिस मिसाइल का टेस्ट किया गया है, वह आईसीबीएम कैटेगरी की है। भारत ने यह परीक्षण कर अपने पड़ोसियों चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश को कड़ा संदेश दे दिया है। खासतौर पर चीन को, जो हिंद प्रशांत क्षेत्र में अपना दबदबा बढ़ाने की फिराक में रहता है। रिपोर्टों के अनुसार, डीआरडीओ ने बंगाल की खाड़ी में ओडिशा के चांदीपुर के पास एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप (व्हीलर द्वीप) से यह परीक्षण किया गया है। हालांकि, डीआरडीओ ने अभी तक इस आईसीबीएम टेस्ट की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। डेटा एनालाइज करने वाली संस्था ने भी सोशल मीडिया एक्स पर बताया है कि भारत ने 8 मई को किस मिसाइल का परीक्षण किया है, यह अभी कंन्फर्म नहीं हो पाया है। हालांकि, रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि अगर अग्नि-6 का परीक्षण सफल रहता है तो इसे भारत की रणनीतिक और सैन्य ताकत में बड़ा इजाफा होगा। रिपोर्टों में कहा गया है कि भारत ने 6 से 9 मई के बीच बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक बड़े हवाई क्षेत्र को प्रतिबंधित किया था।

इस्लामाबाद में एक बार फिर मिलेंगे यूएस और ईरान!

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने को लेकर अगले हफ्ते पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में फिर बातचीत शुरू हो सकती है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देश मध्यस्थों के जरिए एक समझौता ड्राफ्ट पर काम कर रहे हैं, जिससे एक महीने तक चलने वाली औपचारिक वार्ता का रास्ता खुल सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका की तरफ से प्रस्तावित 14 बिंदुओं वाले ड्राफ्ट में ईरान के परमाणु कार्यक्रम, होर्मुज स्ट्रेट में तनाव कम करने और ईरान के एनरिच्ड यूरेनियम भंडार को किसी दूसरे देश भेजने जैसे मुद्दे शामिल हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उन्हें ईरान की तरफ से जल्द जवाब मिलने की उम्मीद है। अगर बातचीत आगे बढ़ी तो सीजफायर को और लंबा किया जा सकता है। साथ ही अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने साफ कर दिया है कि वह अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम या हाईली एनरिच्ड यूरेनियम पर कोई समझौता नहीं करेगा। ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी कि अगर उसने होर्मुज स्ट्रेट में फिर दखल दिया तो क्षेत्र में दोबारा युद्ध हो सकता है।

डी राजा बोले-इंडी गठबंधन टूटा अब कांग्रेस देखे अपनी गलती

तमिलनाडु में टीवीके के समर्थन के बाद भड़की सीपीआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु में डीएमके से नाता तोड़कर थलपति सी जोसेफ विजय की टीवीके के साथ जाने के बाद विपक्षी इंडी गठबंधन में कई फाड़ सामने आ रहे हैं। विपक्षी गठबंधन में

शामिल सीपीआई नेता डी राजा ने यह बात कबूल ली है और इसके लिए उन्होंने पूरी तरह से कांग्रेस को जिम्मेदार ठहरा दिया है। हैरानी की बात है कि तमिलनाडु में कांग्रेस के बाद सीपीआई ने भी डीएमके खेमे से पलटी मार ली है, लेकिन वह इंडी अलायंस टूटने के लिए उत्तरदायी कांग्रेस को ठहरा रही है। सीपीआई नेता डी राजा ने एक इंटरव्यू में माना है, इंडी अलायंस टूट चुका है, सिर्फ तमिलनाडु में ही नहीं, बल्कि अन्य राज्यों में भी....। उनसे डीएमके की ओर से लोकसभा में कांग्रेस से अलग बैठने की मांग किए जाने पर कहा कि,..निश्चित तौर पर इंडिया ब्लॉक के अंदर (कांग्रेस के टीवीके के साथ जाने से) समस्याएं पैदा हुई हैं और कांग्रेस को भी गंभीर आत्मचिंतन करना चाहिए। यह क्यों हो रहा है, यह कई राज्यों में हो रहा है...यह क्यों हो रहा है...?

कांग्रेस ने मारी पलटी तो इंडी गठबंधन में कई फाड़- असल में तमिलनाडु में कांग्रेस इस बार भी डीएमके की अगुवाई वाले गठबंधन में चुनाव लड़ी। तमिलनाडु में दोनों दलों के बीच इंडी अलायंस से भी पुराना लंबे समय से गठबंधन था। इस चुनाव में जब डीएमके सत्ता से बाहर हो गई तो कांग्रेस ने तुरंत पलटी मार ली और जिस टीवीके के खिलाफ चुनाव लड़ी उसी को समर्थन दे दिया।

मुख्यमंत्री ने प्रदान की विभिन्न विकास योजनाओं के लिए 256 करोड की वित्तीय स्वीकृति

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा राज्य की विभिन्न विकास योजनाओं के साथ ही कुम्भ मेला–2027 से संबंधित महत्वपूर्ण योजनाओं के लिए 256 करोड की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा राज्य आपदा मोचन निधि के अन्तर्गत 15वें वित्त आयोग की अवशेष धनराशि से प्रत्येक जनपद को राहत एवं बचाव मद में 3.00 करोड़, पुनर्प्राप्ति एवं पुनर्निर्माण मद में 5.00 करोड़ तथा तैयारी एवं क्षमता विकास मद में 2.00 करोड़, इस प्रकार प्रति जनपद 10.00 करोड़, कुल धनराशि 130 करोड़ अवमुक्त किये जाने के साथ ही वित्तीय वर्ष 2026–27 के आय–व्ययक में उत्तराखण्ड राज्य में समस्त जिलाधिकारियों को नोन एसडीआरएफ (जिलाधिकारियों हेतु आपदा से क्षतिग्रस्त परिसम्पत्तियों के पुनर्निर्माण) में प्राविधानित धनराशि 39.00 करोड़ के सापेक्ष प्रति जनपद धनराशि 2.00 करोड़, कुल धनराशि 26.00 करोड़ स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री द्वारा कुम्भ मेला–2027 के अन्तर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–58 से औद्योगिक क्षेत्र तक चार लेन मार्ग के नवीनीकरण हेतु 2.72 करोड, पथुलोक बैराज मार्ग के किमी0 0.00 से 5.00 तक बी०सी० द्वारा सुधार कार्य हेतु 2.13 करोड तथा बहादराबाद–रोहाल्की तिराहे से अलीपुर–सुकरासा–पथरी अम्भूवाला मार्ग के नवीनीकरण कार्य हेतु 1.36 करोड की धनराशि अवमुक्त किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद देहरादून की पित्थूवाला शाखा में कमला पैलेस एवं जी०एम०एस० रोड क्षेत्र में नलकूप निर्माण, राईजिंग मेन और वितरण प्रणाली एवं तत्संबंधी कार्यों हेतु 20.37 करोड स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री द्वारा रअरअ कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद रुद्रप्रयाग के तिलवाडा नगर पंचायत पेयजल योजना हेतु 39.86 करोड, जनपद चमोली की पीपलकोटी नगर पंचायत पेयजल योजना हेतु 24.38 करोड तथा जनपद टिहरी गढ़वाल की हिण्डोलाखाल पम्पिंग पेयजल योजना हेतु 9.73 करोड की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने सुनहरा मार्ग चौराहा, रुड़की का नाम शहीद चौक रखे जाने का अनुमोदन

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा रुड़की नगर निगम में सुनहरा मार्ग चौराहे का नाम शहीद चौक रखे जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

भटवाड़ी में केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग

उत्तरकाशी। सीमांत तहसील भटवाड़ी में लंबे समय से नए केंद्रीय विद्यालय की स्थापना की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों व अभिभावकों सहित स्थानीय लोगों ने गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान से इस दिशा में ठोस पहल करने की मांग उठाई है। शनिवार को उन्होंने विधायक को इस संबंध में एक ज्ञापन भी दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्ष 2014 से लगातार भटवाड़ी में केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग उठाई जाती रही है, लेकिन अब तक इस पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। जबकि हाल ही में केन्द्र सरकार की ओर से देश के विभिन्न क्षेत्रों में चार नए केन्द्रीय विद्यालयों की स्थापना को स्वीकृति दी गई है। लोगों का मानना है कि भटवाड़ी में केंद्रीय विद्यालय खुलने से न केवल शिक्षा व्यवस्था मजबूत होगी बल्कि पलायन पर भी रोक लगेगी। विधायक चौहान ने आश्वासन दिया कि यदि द्वितीय चरण में उत्तरकाशी के लिए नए केंद्रीय विद्यालय स्वीकृत होते हैं तो वे मुख्यमंत्री से वार्ता कर भटवाड़ी के लिए विद्यालय की स्वीकृति सुनिश्चित कराने की दिशा में अपने स्तर से पहल करेंगे।

सामूहिक विवाह समारोह में नौ जोड़े एक दूजे के हुए

विकासनगर। श्री खाटू श्याम धाम समिति की ओर से शनिवार को नौ निर्धन कन्याओं का सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर नगर के वरिष्ठ नागरिकों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया और उनके सुखद दांपत्य जीवन की कामना की। कार्यक्रम में समाजसेवियों और श्रद्धालुओं ने भी भाग लिया तथा कन्याओं को गृहस्थ जीवन के लिए आवश्यक सामग्री भेंट की। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यह आयोजन सामाजिक समरसता और सहयोग की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया है। सामूहिक विवाह से न केवल आर्थिक बोझ कम होता है बल्कि समाज में एकता और सद्भाव का संदेश भी जाता है।

संक्षिप्त समाचार

यमुनोत्री मार्ग पर तबीयत बिगड़ने से बुजुर्ग श्रद्धालु की मौत

उत्तरकाशी। यमुनोत्री धाम यात्रा के दौरान शनिवार को तमिलनाडु निवासी 82 वर्षीय श्रद्धालु शम्भू केवल की पैदल मार्ग पर नौ कैंची के पास अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। बताया गया कि दर्शन कर लौटते समय उन्हें घबराहट और सीने में दर्द की शिकायत हुई, जिसके बाद वे बेहोश होकर गिर पड़े। मौके पर मौजूद स्वास्थ्य कर्मियों और यात्रा ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों ने तत्काल प्राथमिक उपचार देते हुए उन्हें स्वास्थ्य केंद्र जानकीचट्टी पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. अखिल राणा ने पुष्टि करते हुए बताया कि वृद्ध श्रद्धालु की मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई है। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। यमुनोत्री धाम में यात्रा शुरू होने के बाद अब तक तीन श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है। अधिकांश मामलों में हार्ट अटैक और अचानक स्वास्थ्य बिगड़ने की वजह सामने आ रही है। लगातार बढ़ती भीड़, कठिन पैदल मार्ग और ऊंचाई वाले क्षेत्र में ऑक्सीजन की कमी बुजुर्ग श्रद्धालुओं के लिए परेशानी का कारण बन रही है। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने यात्रियों, खासकर बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों से स्वास्थ्य जांच कराने, पर्याप्त आराम लेने और यात्रा के दौरान सावधानी बरतने को कहा है। यात्रा मार्ग पर मेडिकल टीमें और स्वास्थ्य शिविर भी तैनात किए गए हैं ताकि आपात स्थिति में तत्काल सहायता मिल सके।

पुरोला में राष्ट्रीय लोक अदालत, 18 मामलों का हुआ निस्तारण

उत्तरकाशी। राष्ट्रीय लोक अदालत के तहत सिविल न्यायालय परिसर पुरोला एवं बड़कोट की पहल पर लोक अदालत में कुल 18 वादों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। लंबे समय से लंबित मामलों का आपसी सहमति और समझौते के आधार पर समाधान कर पक्षकारों को राहत प्रदान की गई। लोक अदालत में घरेलू हिंसा अधिनियम से जुड़े पांच मामले, चेक बाउंस के नौ, सिविल वाद के तीन और एनवी एक्ट से संबंधित पुरोला एवं बड़कोट के एक–एक मामले निस्तारित किए गए। लोक अदालत की अध्यक्षता विवेक शर्मा ने की। कार्यवाही के उपरांत उन्होंने पीएलवी सदस्यों के साथ बैठक कर भविष्य में विद्यालयों एवं विधिक सेवा केंद्रों में जागरूकता शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। न्यायिक मजिस्ट्रेट के माध्यम से आयोजित इन शिविरों के माध्यम से आमजन एवं विद्यार्थियों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा। इस अवसर पर अधिवक्ता प्रेम सिंह राणा, अरविंद भंडारी, प्रवीण सिंह ठाकुर, पैरा लीगल वालंटियर्स नवीन गैरोला, यशोमती रतूड़ी, काजल, पूजा एवं किसन लता मौजूद रहे।

नाबालिग छात्रा घर से नगदी और जेवर लेकर लापता

रुद्रपुर। रुद्रपुर की एक 16 वर्षीय छात्रा संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों ने एक युवक पर छात्रा को बहला–फुसलाकर अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया है। छात्रा के घर से जेवरात और नकदी ले जाने की बात भी सामने आई है। परिजनों की तहरीर पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। एक व्यक्ति ने पुलिस चौकी आदर्श कॉलोनी में दी तहरीर में बताया कि उसकी बेटी कक्षा 11 की छात्रा है। बीती 4 मई की रात वह बिना किसी को बताए घर से चली गई और वापस नहीं लौटी। पिता का आरोप है कि आदर्श कॉलोनी निवासी एक युवक उनकी पुत्री का लंबे समय से स्कूल आते–जाते पीछा करता था। जिस दिन छात्रा लापता हुई, उसी दिन से आरोपी युवक भी अपने घर से लापता है। उसने आशंका जताई है कि युवक उसकी नाबालिग पुत्री को बहला–फुसलाकर अपने साथ ले गया है। बेटी घर से सोने के जेवरात और करीब 60 हजार रुपये नकद अपने साथ ले गई है। वहीं, आदर्श नगर चौकी प्रभारी सुरेंद्र बिष्ट ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। पुलिस जल्द छात्रा को सकुशल बरामद कर लेगी।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राएं पुरस्कृत

उत्तरकाशी। ।बीएल जुंवाठा पीजी कॉलेज में वार्षिकोत्सव व सम्मान समारोह मनाया गया। समारोह में क्रीड़ा, पठन–पाठन, सांस्कृतिक व अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया। अंतर विश्वविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता में चैंपियन रहे प्रवीण, अमिषा और अनुप्रिया पंवार को विशेष सम्मान दिया गया। वहीं आधुनिक एआई टेक्नोलॉजी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अभिषेक, सौरव व आरती को सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री स्कॉलरशिप प्राप्त करने वाले 24 से अधिक छात्र–छात्राओं को भी पुरस्कृत किया गया। सांस्कृतिक गतिविधियों में टीम लीडर ज्योति सहित कई छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया जबकि मंच संचालन के लिए अभिषेक, आईशा व शीतल को सम्मान मिला। युवा आपदा मित्र कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य के लिए आयुष लौथानी और आलोक बनाटा को सम्मानित किया गया। आईआईटी रुड़की में आयोजित एमटीटीएस स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले अभिषेक उनियाल, रानी शर्मा और सानिया को भी सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि विधायक पुरोला दुर्गेश लाल, डीएफओ डीपी बलूनी ने छात्र–छात्राओं से शिक्षा के साथ क्षेत्र की सांस्कृतिक व धार्मिक विरासत के संरक्षण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य डॉ. एके तिवारी ने संस्थान की वार्षिक प्रगति आख्या प्रस्तुत की। इस अवसर पर महाविद्यालय उत्तरकाशी के प्राचार्य पंकज पंत, छात्रसंघ अध्यक्ष गोविंद सिंह, डॉ. प्रहलाद रावत, राजपाल पंवार उपस्थित थे।

चारधाम यात्रा में डग्गामार वाहनों पर बवाल

ऋषिकेश। चारधाम यात्रा में डग्गामारी रोकने के दावों के बीच संभागीय परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है। हालात ऐसे हैं कि विभागीय अधिकारियों की बजाय स्थानीय टैक्सी–मैक्सी चालक खुद डग्गामार वाहनों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर रहे हैं। डग्गामारी से स्थानीय परिवहन कारोबारियों में आर्थिक नुकसान की चिंता भी बढ़ रही है। शनिवार को यात्रा बस अड्डे पर ऐसा ही मामला सामने आया। चमोली से एक मैक्सी वाहन सवारियां लेकर ऋषिकेश पहुंचा। आरोप है कि दोपहर करीब 12 बजे चालक ने एक युवक के माध्यम से महाराष्ट्र के तीन तीर्थयात्रियों को केदारनाथ यात्रा के लिए वाहन में बैठा लिया। इसकी जानकारी मिलते ही स्थानीय टैक्सी–मैक्सी संचालकों में नाराजगी फैल गई।संचालकों ने मैक्सी वाहन को चालक समेत बस अड्डा चौकी पुलिस के सुपुर्द कर दिया। जांच के दौरान चालक वाहन के दस्तावेज भी नहीं दिखा पाया। इसके बाद पुलिस ने वाहन को सीज कर दिया। चौकी प्रभारी देवेंद्र ममगाईं ने बताया कि नियमों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं, चौकी पहुंचे स्थानीय टैक्सी–मैक्सी संचालकों ने परिवहन विभाग के खिलाफ नाराजगी जताई। उनका कहना था कि डग्गामारी रोकना संभागीय परिवहन विभाग की जिम्मेदारी है, लेकिन कार्रवाई न होने के कारण उन्हें खुद ऐसे वाहनों को पकड़ना पड़ रहा है।

सड़कों के गड्ढों को लेकर कमिश्नर ने अधिकारियों से मांगी रिपोर्ट

हल्द्वानी। उत्तराखंड अर्बन सेक्टर डेवलपमेंट एजेंसी (यूयूएसडीए) की ओर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों से सड़कों में गड्ढे और अधूरे निर्माण कार्यों को लेकर कुमाऊंकमिश्नर दीपक रावत ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने मामले में निर्माण कार्यों को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है। साथ ही निर्माण एजेंसी से जुड़े अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। कुमाऊंकमिश्नर रावत ने सचिव जिला विकास प्राधिकरण, नगर आयुक्त हल्द्वानी, एसडीएम और सिटी मजिस्ट्रेट हल्द्वानी को पत्र के माध्यम से निर्देश दिए हैं कि शहर में यूयूएसडीए के कार्यों के कारण क्षतिग्रस्त और गड्ढों वाली सड़कों का निरीक्षण किया जाए। क्षतिग्रस्त सड़कों की शत–प्रतिशत फोटोग्राफी कर विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि जहां कार्य अधूरे हैं या आमजन को आवाजाही में दिक्कत हो रही है, वहां त्वरित सुधारात्मक कार्य शुरू कराए जाएं। विकास कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

डिजिटल इंडिया की दिशा में जिला प्रशासन की पहल

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल ने शनिवार को कलेक्ट्रेट स्थित नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) कार्यालय के नव–नवीनीकृत परिसर का उद्घाटन किया। उनके विशेष प्रयासों से कार्यालय का आधुनिक सुविधाओं के अनुरूप रिनोवेशन कराया गया है, जिससे कार्यप्रणाली अधिक सुव्यवस्थित, तकनीक–सक्षम और प्रभावी बन सकेगी। नवीनीकरण कार्य के अंतर्गत जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, अपर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी सहित समस्त तकनीकी एवं स्टाफ ऑपरेटरों के लिए बेहतर कार्यस्थल, आधुनिक संसाधन और आवश्यक सुविधाएं विकसित की गई हैं। इससे कर्मचारियों को कार्य निष्पादन में अधिक सहूलियत मिलेगी और डिजिटल सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार आएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि एनआईसी शासन और प्रशासन की डिजिटल व्यवस्थाओं की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इसके सुदृढ़ीकरण से ई–गवर्नेंस गतिविधियों को नई गति मिलेगी ।

बेहतरीन प्लेसमेंट पर 723 छात्र और अभिभावक सम्मानित

देहरादून। ग्राफिक एरा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशनस की ओर से शनिवार को कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बेहतरीन प्लेसमेंट पर 723 छात्रों और अभिभावकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर चेयरमैन डॉ कमल घनशाला ने कहा कि करियर की शुरुआत में आकर्षक पैकेज से अधिक महत्वपूर्ण बेहतर कार्यसंस्कृति, नया सीखने और आगे बढ़ने के अवसर होते हैं। कार्यक्रम में 61.63 लाख रुपए तक के पैकेज पाने वाले और हाई स्कूल में 98.2 प्रतिशत तक अंक पाने वाले 723 छात्रों और उनके अभिभावकों को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के पुरस्कारः सम्मान समारोह में ग्राफिक एरा डीम्ड यूनिवर्सिटी के बीटेक छात्र प्रदीप रावत को गूगल में 61.63 लाख, शिवम अग्रवाल को डी.ई. शॉ में 60.3 लाख, कुणाल कुमार को माइक्रोसॉफ्ट में 56 लाख, अर्शिता और श्रेया महाजन को गूगल में 54.84 एवं रुपये और आस्था मेहता और आदर्श भारती मूसा को अमेजन में 47.88 लाख रुपये के पैकेज पर चयन होने पर 1–1 लाख रुपय नकद इनाम और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। वहीं ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी के बीटेक छात्र छात्राओं में प्रेरणा बडोनी और रक्षित बेनीवाल को माइक्रोसॉफ्ट में 56 लाख रुपये, पलक अग्रवाल को गूगल में 54.84 लाख रुपये के वार्षिक पैकेज पर चयन होने पर 1–1 लाख रुपय नकद इनाम और ट्रॉफी दी गई। इसी कोर्स के ग्राफिक एरा डीम्ड यूनिवर्सिटी की आराध्या बहुगुणा, देव वर्मा, और ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी की आंशिक शर्मा, मोहित सिंह रावत और नितिन राणा को अमेजन में 47.88 लाख का पैकेज पाने पर पचास हजार रुपए का नगद ईनाम दिया गया।

भाजपा महानगर ने कांग्रेस के खिलाफ किया प्रदर्शन

देहरादून। भाजपा महानगर देहरादून के कार्यकर्ताओं ने पटेलनगर में शनिवार को कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। आरोप लगाया कि कांग्रेस चंपावत प्रकरण में भ्रामक राजनीति कर रही है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भाजपा महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल ने प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए कहा कि कांग्रेस के पास अब जनता से जुड़े कोई ठोस मुद्दे नहीं बचे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस केवल असत्य तथ्यों के सहारे राजनीतिक माहौल को दूषित करने और प्रदेश के विकास कार्यों से जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है। अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि भाजपा ऐसे किसी भी षड्यंत्र को सफल नहीं होने देगी। भाजपाइयों ने कहा कि कांग्रेस लगातार जनता को गुमराह करने का काम कर रही है। कार्यकर्ताओं ने जनता से भी अपील की कि वे विपक्षी दलों के भ्रामक प्रचार और झूठी राजनीति से सतर्क रहें।

वीकेंड पर हरिद्वार में उमड़ी भीड़, पार्किंग फुल होने से दिनभर जाम के हालात

हरिद्वार। वीकेंड पर धर्मनगरी हरिद्वार में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ने से शहर की यातायात व्यवस्था चरमरा गई। शनिवार को सुबह से ही हरकी पैड़ी और प्रमुख मंदिरों में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं, जबकि शहर की प्रमुख पार्किंगें वाहनों से पूरी तरह भर गईं। पंतद्वीप और दीनदयाल पार्किंग के फुल होने के बाद पुलिस को वाहनों को वैकल्पिक स्थानों पर भेजना पड़ा। शहर में बढ़ती भीड़ का असर यातायात पर भी साफ दिखाई दिया। चंडी चौक फ्लाईओवर से लेकर भूपतवाला तक दिनभर वाहनों का दबाव बना रहा। हाईवे और संपर्क मार्गों पर कई स्थानों पर रुक–रुक कर जाम की स्थिति बनी रही। हरकी पैड़ी, रेलवे स्टेशन, बस अड्डे और बाजार क्षेत्रों में भी भारी भीड़ के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वीकेंड और चारधाम यात्रा सीजन के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालु हरिद्वार पहुंच रहे हैं। पुलिस और प्रशासन के अनुसार शनिवार को दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान समेत कई राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु निजी वाहनों और बसों से हरिद्वार पहुंचे। इसके चलते शहर

में वाहनों का दबाव अचानक बढ़ गया। चारधाम यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन कराने वालों की संख्या में भी तेजी देखने को मिली। एक दिन में नौ हजार रजिस्ट्रेशन हो रहे है, जबकि पिछले दिनों पांच से सात हजार रजिस्ट्रेशन हो रहे थे। ऋषिकुल और अन्य पंजीकरण केंद्रों पर यात्रियों की लंबी कतारें लगी रहीं। भीड़ को देखते हुए पुलिस ने यातायात व्यवस्था संभालने के लिए अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती की।

एसएसजे मेडिकल कॉलेज के वार्षिकोत्सव 'नेबुला–2026' में शामिल हुए मंत्री सुबोध उनियाल

अल्मोड़ा। वन, विधायी एवं संसदीय कार्य, निर्वाचन, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल शनिवार को अल्मोड़ा पहुंचे। सर्किट हाउस में पार्टी कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों से विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा की। सर्किट हाउस में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने मंत्री को जनपद में संचालित विकास कार्यों, विभिन्न विभागों की प्रगति, स्वास्थ्य सेवाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। मंत्री ने वन एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से विभागीय योजनाओं और व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को आमजन से जुड़े कार्य प्राथमिकता के साथ समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इसके बाद कैबिनेट मंत्री सोबन सिंह जीना राजकीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान में आयोजित वार्षिकोत्सव 'नेबुला–2026' में शामिल हुए। कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इस दौरान मंत्री ने संस्थान की वार्षिक पत्रिका 'मोनाल' का विमोचन भी किया। परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को सम्मानित करते हुए सुबोध उनियाल ने कहा कि सफलता के लिए लक्ष्य के प्रति समर्पण, अनुशासन और निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े विद्यार्थियों पर समाज की बड़ी जिम्मेदारी होती है और उन्हें सेवा भावना तथा संवेदनशीलता के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 908 मामलों का निस्तारण

देहरादून। जिला देहरादून में एक ही दिन में राष्ट्रीय लोक अदालत में 908 मामलों का निस्तारण किया गया। शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला मुख्यालय देहरादून, बाह्य न्यायालय ऋषिकेश, विकासनगर, डोईवाला, मसूरी एवं चकराता के न्यायालयों में वर्ष 2026 की द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत में मोटर दुर्घटना क्लेम, सिविल मामले, पारिवारिक मामले, चेक बाउंस से संबंधित मामले, शमनीय प्रकृति के आपराधिक मामले व अन्य प्रकृति के मामले लगाए गये थे। अदालत में जनपद देहरादून में फौजदारी के शमनीय प्रकृति के 251 मामले, चेक संबंधित 515 मामले, धन वसूली संबंधित 17 मामले, मोटर दुर्घटना क्लेम ट्राईबनल के 14 मामले पारिवारिक विवाद संबंधित 105 मामले, पब्लिक यूटिलिटी सर्विस के 26 मामले, मोटर वाहन अधिनियम के अन्तर्गत शमनीय अपराधों के 4835 मामले, उपभोक्ता फोरम के 12 एवं अन्य सिविल प्रकृति के 34 मामले, आर्बिट्रेशन के 9, अन्य समझौते योग्य 26 मामले सहित कुल 5844 मामलों का निस्तारण किया गया।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देहरादून की सचिव एवं वरिष्ठ सिविल जज सीमा डुंगराकोटी ने बताया कि 13,36,35,816 रुपये की धनराशि पर समझौता हुआ।

विकसित भारत के संकल्प के साथ भाजपा का 'महामंथन'

देहरादून। भाजपा महानगर का आगामी चुनावी को देखते हुए शनिवार से दो दिवसीय 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान' शुरू हो गया। पटेलनगर में शुरू हुए इस शिविर में कार्यकर्ताओं को जनता के बीच पैठ बनाने और सरकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने का पाठ पढ़ाया जा रहा है।

इस मौके पर मुख्य वक्ता राज्यसभा सांसद एवं क्षेत्रीय प्रभारी अमरपाल मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आज राष्ट्र और समाज जीवन के सपनों को साकार कर रहा है। उन्होंने जोर दिया कि विकसित भारत के निर्माण के लिए समर्थ कार्यकर्ताओं का होना अनिवार्य है। प्रशिक्षण वर्ग के दौरान कुल 12 सत्रों में कार्यकर्ताओं को पार्टी के इतिहास, सैद्धांतिक अधिष्ठान, कार्य पद्धति, मीडिया प्रबंधन और केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियों के बारे में प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजेय कुमार ने कार्यकर्ताओं को ह्यराष्ट्रहित सर्वोपरिह्न का मूल मंत्र देते हुए कहा कि भाजपा की राजनीति व्यक्ति केंद्रित नहीं, बल्कि समाज केंद्रित है। उन्होंने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया।

ग्रामीण महिलाओं की आय का जरिया बनेगा पिरूल

उत्तरकाशी। वनाग्नि का बड़ा कारण पिरूल अब ग्रामीण महिलाओं की आय का जरिया बनेगा। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से वन विभाग दस रुपये प्रति किलो की दर से पिरूल खरीदेगा। पिरूल एकत्रीकरण के लिए विकास खंड स्तर पर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित समूह की महिलाएं पिरूल एकत्रीकरण के तैयार हुई हैं जिन्होंने 1200 क्विंटल पिरूल एकत्र करने की हामी भरी है। अपर यमुना वन प्रभाग के मुंगर संती, कुथनौर, रवांई और नौगांव रेंज से जुड़ी वन पंचायतों के साथ मिलकर पिरूल एकत्रीकरण की योजना को आगे बढ़ाया जा रहा है। पिरूल एकत्रीकरण से जहां महिलाओं को आर्थिक लाभ होगा वहीं वनाग्नि पर भी अंकुश लगेगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलझे अनेक वाद, लाखों रुपये के समझौते संपन्न

बागेश्वर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बागेश्वर के तत्वावधान में शनिवार को जिला न्यायालय परिसर एवं बाह्य न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। यह आयोजन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों के क्रम में संपन्न हुआ, जिसमें विभिन्न प्रकार के वादों का आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर निस्तारण किया गया। प्राधिकरण द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार जिला जज श्री पंकज तोमर की अध्यक्षता वाली बेंच संख्या–01 में पारिवारिक विवाद से संबंधित एक वाद का निस्तारण किया गया। वहीं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री संदीप कुमार तिवारी की अध्यक्षता वाली बेंच संख्या–02 में एनआई एक्ट, मोटर वाहन अधिनियम तथा फौजदारी मामलों से जुड़े कुल 58 वादों का निस्तारण करते हुए लगभग 9 लाख 5 हजार 400 रुपये के समझौते संपन्न कराए गए। इसके अतिरिक्त सिविल जज (सीडी) श्री योगेन्द्र कुमार सागर की बेंच संख्या–03 में एनआई एक्ट एवं मोटर वाहन अधिनियम से संबंधित आठ मामलों का निस्तारण करते हुए 2 लाख 83 हजार 500 रुपये का समझौता कराया गया।

एक नजर

कार्यशाला में विद्यार्थियों को दी बैंकिंग सेवाओं की जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय महाविद्यालय कण्वघाटी में वाणिज्य संकाय की ओर से ह्लवित्तीय जागरूकता एवं उपभोक्ता प्रशिक्षणह्व विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें विद्यार्थियों को वित्तीय साक्षरता, बैंकिंग सेवाओं, साइबर सुरक्षा व बीमा सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।कार्यशाला के मुख्य वक्ता डा. अश्वनी शर्मा रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. हरिश्चंद्र ने की। मुख्य वक्ता ने विद्यार्थियों को डिजिटल लेन-देन में सावधानी बरतने, ऑनलाइन ठगी से बचाव तथा सुरक्षित निवेश के बारे में जानकारी दी। अपने संबोधन में प्रो. हरिश्चंद्र ने कहा कि वर्तमान समय में वित्तीय जागरूकता प्रत्येक विद्यार्थी के लिए आवश्यक है। आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं का सुरक्षित उपयोग करना चाहिए। कार्यशाला में वाणिज्य एवं कला संकाय के 65 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुराग शर्मा ने किया। इस अवसर पर डा. दिवाकर बौद्ध, डा. कविता अहलावत, डा. दीप्ति मैठाणी, आशीष धीमान, जितेंद्र सिंह, सुमन नेगी आदि मौजूद रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर में छात्र संसद का गठन, पदाधिकारियों ने ली शपथ

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : हेमनदास सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान छात्र संसद का गठन किया गया। इस अवसर पर नव निर्वाचित प्रतिनिधियों को शपथ दिलाकर उनके दायित्वों से अवगत कराया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य महेंद्र गौड़ ने किया। उन्होंने छात्र संसद के अध्यक्ष पद पर चुने गए आरव मनराल, उपाध्यक्ष भवानी, मंत्री आदित्य, उपमंत्री आदित्य, सेनापति ऋषभ एवं उपसेनापति दक्ष को शपथ दिलाई। इसके साथ ही विभिन्न विभागों के प्रमुखों को भी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम में शिक्षक मनोज जोशी ने प्रोजेक्टर के माध्यम से छात्र पदाधिकारियों को शिशु भारती की गतिविधियों एवं कार्यप्रणाली की जानकारी दी। वहीं शिक्षक अंचल कुमार ने बताया कि सभी पदाधिकारियों की प्रत्येक पखवाड़े बैठक आयोजित कर विभागीय कार्यों की समीक्षा की जाएगी। प्रधानाचार्य महेंद्र गौड़ ने कहा कि जिस प्रकार देश के संचालन के लिए विभिन्न मंत्रालय एवं पद निर्धारित होते हैं, उसी प्रकार विद्यालय की व्यवस्थाओं को बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए छात्र संसद एवं विभागों का गठन किया जाता है। इस अवसर पर योगेश नेगी, गीता रावत, सुनीता पंत, अंजू चमोला, श्रेया चौधरी, कीर्ति द्विवेदी, पूजा चतुर्वेदी सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

सड़क की मांग को लेकर प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विकासखंड कोट की दानोधार-बसंतपुर-क्वालासारी मोटर मार्ग का करीब 12 वर्ष बाद भी डामरीकरण नहीं हो पाया है। जिस कारण स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजकर जल्द से जल्द मार्ग का डामरीकरण कराने की मांग की है। बसंतपुर निवासी सुरेंद्र सिंह नयाल ने बताया कि सड़क बनने के बाद से अब तक डामरीकरण नहीं हुआ, जिससे वाहन चालक गांवों तक आने से कतराते हैं।

कहा कि कच्ची सड़क के कारण दानोधार, भंडालु, डुंगलाधार, बसंतपुर बिडिंग, अंबेडकर नगर, भुतनिशी और क्वालासारी गांवों के ग्रामीणों को आवाजाही में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजकर सड़क सुधारीकरण की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि मुख्यमंत्री, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय, सांसद, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और शासन-प्रशासन को कई बार पत्र भेजे जाने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 175 मामलें निस्तारित

श्रीनगर गढ़वाल : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार शुक्रवार को बाह्य न्यायालय श्रीनगर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत की पीठ की अध्यक्षता सिविल जज एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) अलका ने की, जबकि सदस्य के रूप में अधिवक्ता सुबोध भट्ट मौजूद रहे। राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 175 मामलों का निस्तारण किया गया।

गर्मी का चढ़ रहा पारा, चिलचिलाती धूप में बस का इंतजार कर रहे यात्री

स्टेशन रोड पर यात्री शेड पर खड़ी रेहड़ी ठेली

यात्री शेड पर कब्जा

बस स्टैंड से चंद कदम की दूरी पर बाजार चौकी के समीप एक यात्री शेड मौजूद है। लेकिन, अवैध अतिक्रमणकारियों ने इस यात्री शेड पर कब्जा जमाया हुआ है। हालात यह है कि यात्री शेड के बाहर फल-सब्जी व अन्य सामान की फड़ लगी रहती हैं व शेड के भीतर भी इन्हीं का कब्जा रहता है। हैरानी वाली बात तो यह है कि अतिक्रमण हटाने का दावा करने वाले नगर निगम व पुलिस को भी कभी यह अतिक्रमण नजर नहीं आया। वहीं, शाम ढलते ही यात्री शेड की आड़ में असामाजिक तत्व बैठे रहते हैं।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गर्मी का पारा लगातार चढ़ता जा रहा है। ऐसे में कोटद्वार से मैदान व पहाड़ के लिए सफर करने वाले यात्रियों की चुनौती बढ़ती जा रही है। हालत यह है कि बस अड्डे में छांव के लिए एक यात्री शेड तक नहीं है। यही नहीं, स्टेशन में यात्रियों के प्यास बुझाने तक की व्यवस्था नहीं की गई है। ऐसे में यात्री सूखे कंठ चिलचिलाती धूप में बस का इंतजार करने को मजबूर हो रहे हैं। सबसे अधिक परेशानी बुजुर्ग व बच्चों के साथ सफर करने वालों को होती है।

कोटद्वार को गढ़वाल का द्वार कहा जाता है। यही कारण है कि यहां से प्रतिदिन सैकड़ों लोग पहाड़ व मैदान के लिए आवागमन करते हैं। लेकिन, यात्रियों की सुविधा के लिए परिवहन निगम व स्थानीय प्रशासन की ओर से कोई व्यवस्था नहीं की गई है। नतीजा, भीषण गर्मी के बीच यात्री चिलचिलाती धूप में वाहनों का इंतजार करने के लिए मजबूर हो रहे हैं। थके हारे कई यात्री आसपास की दुकानों के बाहर बैठे रहते हैं। स्टेशन में यात्रियों की प्यास बुझाने तक की व्यवस्था नहीं है। नतीजा, यात्रियों को बाजार से पानी की बोतल खरीदनी पड़ती है। पूर्व में कई सामाजिक संस्थाओं ने नगर निगम व स्थानीय प्रशासन से व्यवस्थाओं को बेहतर बनवाने की मांग उठाई। लेकिन, अब तक इस ओर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया। नतीजा, पारा चढ़ने के साथ ही यात्रियों की समस्या भी बढ़ती जा रही है।

श्रीनगर में महिला की सफल एंजियोप्लास्टी

श्रीनगर गढ़वाल : बेस अस्पताल श्रीनगर की अत्याधुनिक कैथ लैब में रुद्रप्रयाग जिले के चंद्रापुरी क्षेत्र की 45 वर्षीय महिला की सफल एंजियोप्लास्टी कर उसकी जान बचाई गई। महिला चोपता–फलासी क्षेत्र में एक देवकार्य में शामिल होने गई थी, जहां अचानक सीने में तेज दर्द उठने पर उसकी हालत बिगड़ गई। परिजन पहले महिला को चोपता अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रुद्रप्रयाग रेफर किया गया। हार्ट अटैक के संकेत मिलने पर चिकित्सकों ने उसे श्रीनगर बेस अस्पताल भेजा। अस्पताल पहुंचने पर महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे तुरंत कैथ लैब में शिफ्ट किया गया, जहां वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अमर उपाध्याय और उनकी टीम ने सफल एंजियोप्लास्टी कर जान बचाई। डॉ. अमर उपाध्याय ने बताया कि कैथ लैब के पहले ही दिन चार मरीजों की सफल एंजियोप्लास्टी और एक मरीज को पेसमेकर लगाया गया। वहीं शनिवार को अस्पताल की ओपीडी में 25 से अधिक हृदय रोगियों की जांच की गई। श्रीनगर बेस अस्पताल की कैथ लैब में जिन पांच गंभीर हार्ट मरीजों का उपचार हुआ, उनमें तीन महिलाएं शामिल रहीं।

गैस नहीं मिलने से मलेथा के ग्रामीण परेशान

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड कीर्तिनगर के मलेथा गांव में घरेलू गैस आपूर्ति व्यवस्था चरमराने से ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। हालात यह हैं कि कई ग्रामीणों ने गैस के लिए पैसा जमा कर पर्ची कटवाई, लेकिन करीब डेढ़ माह बीत जाने के बाद भी उन्हें सिलिंडर उपलब्ध नहीं हो पाया है। गैस नहीं मिलने से ग्रामीणों को रोजमर्रा के कार्यों में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्राम प्रधान रश्मि रावत ने बताया कि गांव में पहली अप्रैल को इंडेन गैस एजेंसी श्रीनगर का वाहन पहुंचा था। ग्रामीणों को उम्मीद थी कि सभी उपभोक्ताओं को सिलिंडर मिल जाएंगे, लेकिन सीमित संख्या में सिलिंडर होने से आधे से भी कम लोगों को गैस मिल सकी। इस बार केवल 80 सिलिंडर ही गांव भेजे गए, जिससे कई परिवार गैस से वंचित रह गए। प्रधान के अनुसार, गांव के करीब 15 से 20 लोगों ने गैस के लिए निर्धारित राशि जमा कर पर्ची भी कटवा ली थी, लेकिन अब तक उन्हें सिलिंडर नहीं मिले हैं। ग्रामीण लगातार एजेंसी और संबंधित कर्मचारियों से संपर्क कर रहे हैं, लेकिन उन्हें केवल आश्वासन ही मिल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि गैस आपूर्ति बाधित होने से उन्हें मजबूरी में लकड़ी और पारंपरिक चूल्हों का सहारा लेना पड़ रहा है। इससे महिलाओं और बुजुर्गों को अधिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। ग्राम प्रधान रश्मि रावत ने इंडेन गैस एजेंसी श्रीनगर और संबंधित विभाग से जल्द अतिरिक्त वाहन भेजकर सभी उपभोक्ताओं को गैस उपलब्ध कराने की मांग की है। (एजेंसी)

क्या कहते है प्रबंधक

नील कमल, प्रबंधक, इंडेन गैस सर्विस श्रीनगर का कहना है कि मलेथा में 20 और 25 मई के बीच गैस का वाहन भेजा जाएगा। जिन लोगों की एडवांस पर्ची कटी हैं उन्हें भी उसी दौरान आपूर्ति की जाएगी।

नई कार्यकारणी का गठन, मीनाक्षी देवी बनी अध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : कण्वघाटी स्थित बालिका राजकीय इंटर कॉलेज में अभिभावक शिक्षक संघ एवं विद्यालय प्रबंधन समिति की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की प्रधानाचार्या पुष्पा धस्माना ने की। बैठक में अभिभावक शिक्षक संघ के चुनाव संपन्न कराए गए, जिसमें सर्वसम्मति से मीनाक्षी देवी को अध्यक्ष चुना गया। वहीं कविता बिष्ट को विद्यालय प्रबंधन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस दौरान विद्यालय की मेधावी छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। इंटरमीडिएट परीक्षा में 91 प्रतिशत अंक हासिल करने वाली तनुजा तथा हाईस्कूल परीक्षा में 85 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली कोमल को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में किरन जागरवाल, उषा रावत, ऋतु थपलियाल, वीना शर्मा, कल्पना जोशी, निधि बुडाकोटी, अर्चना कंडवाल, सीमा गुसाईं, सावित्री रावत एवं हेमलता बडोला सहित कई अभिभावक एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

गर्मी का चढ़ा पारा, धोखा देने लगे नलकूप

पानी के इंतार में नल के नीचे लगी बाल्टी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गर्मी का पारा चढ़ने के साथ ही शहर में नलकूप धोखा देने लगे हैं। हालत यह है कि क्षेत्र के तीन नलकूपों में खराबी आने से लोगों को पेयजल संकट से जूझना पड़ रहा है। वहीं, पेयजल लाइन लीकेज के कारण घरों में पर्याप्त पानी भी नहीं पहुंच पा रहा है। लोगों ने व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की मांग की है। कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए इस ओर गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए। पदमपुर-सुखरो के बड़े हिस्से में पेयजल आपूर्ति करने वाले श्यामलाल बगीचे में स्थित नलकूप में तकनीकि खराबी आ गई, जिससे क्षेत्र में पेयजल किल्लत गहरा गई। आमजन को पानी के लिए यहां-वहां भटकना पड़ रहा है। उधर, देवी मंदिर स्थित नलकूप में भी तकनीकि खराबी आने के कारण आमजन को परेशानी हो रही है। हालांकि, विभाग की ओर से पेयजल नलकूपों को इंटर कनेक्ट किया गया है, जिस कारण आमजन को थोड़ी राहत अवश्य है। लालपुर स्थित नलकूप में भी तकनीकि खराबी आने के कारण आमजन को परेशानी हो रही है। तीनों नलकूपों में आई खराबी के कारण, पदमपुर लालपुर, बालासौड़ क्षेत्र की बड़ी आबादी को आवश्यकता के अनुरूप पानी नहीं मिल पा रहा। विभाग की ओर से पेयजल संबंधी शिकायत के लिए 01382-222219 नंबर जारी किया गया है। जारी नंबर पर बाकायदा 24 घंटे कर्मियों की तैनाती की बात भी कही जा रही है। लेकिन, धरातलीय स्थिति पूरी तरह उलट है। शुक्रवार शाम जब इस संबंध में संपर्क करने का प्रयास किया गया तो नंबर आउट आफ आर्डर था। अधिवक्ता बीएम गौड़ ने भी पदमपुर-सुखरो क्षेत्र में व्याप्त पेयजल समस्या के संबंध में जब इस नंबर पर संपर्क का प्रयास किया गया तो उन्हें भी नंबर आउट आफ आर्डर ही मिला।

राज्यपाल ने पूर्व सैनिक पर्यावरण उद्यान का किया उद्घाटन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) अपने दो दिवसीय जनपद भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को लैंसडाउन पहुंचे। अपने प्रवास के दौरान उन्होंने गढ़वाल राइफल रेजिमेंट सेंटर (जीआरआरसी) में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग करते हुए सैन्य गतिविधियों, महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार, पर्यावरण संरक्षण तथा जनपद की प्रशासनिक व्यवस्थाओं से संबंधित विषयों की जानकारी प्राप्त की।

लैंसडौन स्थित शहीद भवानी दत्त जोशी परेड ग्राउंड पहुंचने पर जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया, मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत एवं गढ़वाल राइफल रेजिमेंट सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर विनोद नेगी ने राज्यपाल का स्वागत किया। इस अवसर पर सुरक्षा बलों द्वारा राज्यपाल को आकर्षक गार्ड ऑफ ऑनर भी प्रदान किया गया। राज्यपाल ने सर्वप्रथम पूर्व सैनिकों एवं पर्यावरण संरक्षण को समर्पित ह्लपूर्व सैनिक पर्यावरण उद्यानह्व का उद्घाटन किया। कैंट बोर्ड के अधिकारियों द्वारा राज्यपाल को उद्यान की संकल्पना, संरचना एवं पर्यावरणीय महत्व की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान राज्यपाल ने उद्यान में विकसित हरित व्यवस्थाओं एवं पूर्व सैनिकों के सम्मान में किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल समाज में

पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता बढ़ाने के साथ-साथ देश सेवा में योगदान देने वाले पूर्व सैनिकों के सम्मान का भी प्रतीक है। उद्यान भ्रमण के दौरान राज्यपाल ने आर्मी पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय नागरिकों से भी आत्मीय संवाद किया। बच्चों ने राज्यपाल का उत्साह पूर्वक स्वागत किया, जिस पर राज्यपाल ने उन्हें अनुशासन, शिक्षा एवं राष्ट्र सेवा के मूल्यों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। इसके उपरांत राज्यपाल ने ह्लऑल वुमेन कैफेह्व का भ्रमण किया। यहां उन्होंने स्थानीय महिलाओं द्वारा तैयार किए गए पहाड़ी एवं पारंपरिक उत्पादों का अवलोकन किया। राज्यपाल ने स्थानीय उत्पादों की गुणवत्ता एवं प्रस्तुतीकरण की सराहना करते हुए कहा कि स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने महिलाओं के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि स्वरोजगार आधारित गतिविधियां महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसके बाद राज्यपाल ने ह्लभुल्ली सशक्तिकरण केंद्रह्व का भ्रमण किया। केंद्र में संचालित विभिन्न प्रशिक्षण एवं उत्पादन इकाइयों का अवलोकन करते हुए उन्होंने वहां कार्यरत महिलाओं एवं कार्मिकों से संवाद किया। राज्यपाल ने धातु कला अनुभाग, वीर नारी कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र, ब्लॉक प्रिंटिंग अनुभाग, नन्ही कली केंद्र, हस्तनिर्मित कागज अनुभाग, ऊनी टोपी अनुभाग, शॉल अनुभाग, स्टोर कक्ष, मोनाल ब्यूटी पार्लर तथा मसाला केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे हस्तशिल्प एवं स्थानीय उत्पादों की गुणवत्ता, कलात्मकता एवं उपयोगिता की सराहना करते हुए कहा कि यह केंद्र महिला सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भरता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

केंद्रीय सिविल सेवा के नियम दो को लागू किया जाए

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय में कार्यरत तकनीकी सहायक मनोज नेगी ने विश्वविद्यालय के कुलसचिव को ज्ञापन देकर केंद्रीय सिविल सेवा (राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली क्रियान्वयन) के नियम 10 को विश्वविद्यालय में लागू करने की मांग की गई है। उन्होंने कहा है कि विवि के कई शिक्षकों व कर्मचारियों की सेवा के दौरान मृत्यु हो चुकी है।

अदालती सूचना

दावा अधिकरण, उन्नाव
सिविल मिस केस नं. 76/2021
(मोटर क्लेम नं. 170/2016)

अतुल शुक्ला उर्फ अमित शुक्ला पुत्र रवीन्द्र शुक्ला नि. अचलगंज जनपद उन्नाव।

.... प्रार्थी

बनाम

प्रवीण सिंह आदि

नीरज पुत्र घासीराम नि. न्यू कालोनी, कालागढ़ थाना- कालागढ़, जिला- पौड़ी गढ़वाल (उत्तराखण्ड) (वाहन चालक वाहन सं. यू.पी. 20 टी-5362)

.... विपक्षी सं.-3

चूंकि ऊपर नामाकिंत अतुल शुक्ला ने न्यायालय में यह आवेदन किया है, अतएव आपको एतद्वारा चेतावनी दी जाती कि आप उस आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्भित करने के लिए तारीख 21 माह 5 सन् 2026 ई. को 10 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्यक कोण अनुष्टित अपने अभिवक्ता द्वारा उपस्थिति हो ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज ता0 25 माह 4 सन् 2026 की निकाली गई।

आज्ञा से— मुंसरिम
एम.ए.सी.टी., उन्नाव

विभागीय प्रतियोगिताओं के विजेताओं को किया गया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : डॉ० पीतांबर दत्त बड़थ्वाल हिमालयन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार में पत्रकारिता एवं जनसंचार (बी जे एम सी) विभाग की विभागीय परिषद के तत्वाधान में आयोजित भाषण प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता तथा चार्ट प्रतियोगिता के विजयी छात्र–छात्राओं को महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डी. एस. नेगी द्वारा प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार वितरित किये गए । इस अवसर पर विभाग प्रभारी डॉ० एस० के० गुप्ता ने सत्र 2025–26 में विभागीय परिषद द्वारा समय–समय पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। डॉ० एस० के० गुप्ता ने बताया कि सत्र 2025–26 में बी जे एम सी विभाग द्वारा 23 मार्च 2026 को लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में तनुजा ने प्रथम, अंशिका बुड़ाकोटी ने द्वितीय एवं आंचल कुकरेती ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। दिनांक 24 मार्च 2026 को मीडिया कवरेज आफ इलेक्शन विषय पर आयोजित चार्ट प्रतियोगिता में अंशिका बुड़ाकोटी ने प्रथम , आंचल कुकरेती ने द्वितीय एवं हिमांशु देवरानी

ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में दिनांक 28 मार्च 2026 को टीआरपी की दौड़ में गिरती पत्रकारिता विषय पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में अंशिका बुड़ाकोटी ने प्रथम, कृष्णकांत कुकरेती ने द्वितीय तथा आंचल कुकरेती ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

उक्त समस्त विजयी प्रतिभागियों को महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो० (डॉ०) डी० एस० नेगी द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर प्रोफेसर नेगी ने छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ–साथ इस तरह के कार्यक्रम छात्र–छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए अति आवश्यक हैं। उन्होंने छात्र–छात्राओं को पाठ्य सहगामी क्रियाओं में प्रतिभाग करने हेतु प्रेरित किया तथा विजयी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं प्रेषित की ।

कार्यक्रम का संचालन श्री अनुपम भारद्वाज एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री अरविंद दुदपुड़ी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग व कौशल विकास पर दिया जोर

श्रीनगर गढ़वाल : श्री देव सुमन विश्वविद्यालय के परिसर चंद्रबदनी नैखरी में समाजशास्त्र विभाग और दून विश्वविद्यालय के डॉ. भीमराव आंबेडकर मंच के संयुक्त प्रयासों से डॉ. आंबेडकर का राष्ट्र निर्माण में योगदान एवं युवाओं के लिए स्वरोजगार के अवसर विषय पर एक दिवसीय अंतर्क्रियात्मक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ परिसर निदेशक डॉ. महन्थ मौर्य, समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. प्रताप सिंह बिष्ट तथा आंबेडकर मंच के निदेशक प्रो. हर्ष डोभाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि के रूप में दून विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के डीन प्रो. एचसी पुरोहित उपस्थित रहे। प्रो. पुरोहित ने युवाओं से सरकारी नौकरी तक सीमित न रहकर रोजगार सृजक बनने का आह्वान किया और स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग व कौशल विकास पर जोर दिया। प्रो. हर्ष डोभाल ने डॉ. भीमराव आंबेडकर के संघर्षपूर्ण जीवन और समाज के कमजोर वर्गों, दलितों एवं महिलाओं के उत्थान में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। वहीं डॉ. प्रताप सिंह बिष्ट ने संविधान में निहित सामाजिक न्याय और वर्तमान समय में करियर की संभावनाओं पर व्याख्यान दिया। परिसर निदेशक डॉ. महन्थ मौर्य ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बाबा साहेब के बताए अधिकारों और कर्तव्यों के मार्ग पर चलकर ही देश का सर्वांगीण विकास संभव है। (एजेंसी)

ग्रामीणों ने जिला अस्पताल प्रबन्धन पर लगाये आरोप

कहा कि मरीज को श्रीनगर ले जाने का बनाया जा रहा दबाव

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला अस्पताल में मरीज को लेकर उपचार को पहुंचे ग्रामीण चिकित्सकों पर भड़क गए। आरोप लगाया कि जिला अस्पताल की आकस्मिक सेवा में मरीज का सही से उपचार नहीं किया जा रहा और श्रीनगर ले जाने का दबाव बनाया जा रहा है।

परिजनों ने कहा कि चिकित्सक मरीज का उपचार करने के बजाय श्रीनगर ले जाने को कह रहे थे। शनिवार दोपहर करीब डेढ़ बजे विकासखंड कल्जीखाल के कठुड़ मनियारस्यूं निवासी 65 वर्षीय कुलदीप सिंह की छाती में दर्द होने पर परिजन उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। ग्रामीण सुदर्शन सिंह ने बताया कि तीन चार दिनों से छाती में दर्द की शिकायत थी। शनिवार सुबह से ही हालत बिगड़ने लगी, बुजुर्ग चलने में असमर्थ थे तो ग्रामीणों ने कुर्सी पर बैठाकर करीब पांच सौ मीटर पैदल चलकर उन्हें सड़क तक पहुंचाया जहां उन्हें क्षेत्र के सीएचसी घंडियाल पहुंचाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया और जिला अस्पताल रेफर कर दिया। एम्बुलेंस की मदद से बुजुर्ग को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। आरोप लगाया कि जिला अस्पताल की आकस्मिक सेवा में मरीज का सही से उपचार नहीं किया जा रहा और श्रीनगर ले जाने का दबाव बनाया जा रहा है। इस दौरान तीमारदारों ने अस्पताल प्रबंधन की कार्यशैली पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि जिला अस्पताल पूरी तरह से रेफर सेंटर बना हुआ है।

शिविर में 65 लोगों ने किया रक्तदान

श्रीनगर गढ़वाल : रोटरी क्लब श्रीनगर की ओर से जय हो छात्र संगठन व जामा मस्जिद समिति के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर में युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर में कुल 65 यूनिट रक्त एकत्र किया गया जिसे राजकीय मेडिकल कॉलेज के रक्तकोष में जमा कराया गया। वक्ताओं ने रक्तदान को मानवता की सबसे बड़ी सेवा बताया। उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान करने का आह्वान किया। शिविर का संचालन राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर की टीम ने डॉ. दीपा हटवाल और डॉ. सतीश शर्मा के मार्गदर्शन में किया। इस मौके पर रोटरी क्लब अध्यक्ष हिमांशु अग्रवाल, सचिव संजय रावत, एसपी घिल्डियाल,मनीष कोठियाल, संजय जैन, जामा मस्जिद कमेटी से अंजुम हैदर, निशांत कंडारी,हिमांशु भंडारी आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल संकेत एवं दूरसंचार अभि0/उत्तर रेलवे, मुरादाबाद, कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा ई–टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से आमन्त्रित करते हैं।

सं0	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	लगभग लागत रुपये	अग्रिम धन रुपये	निविदा फॉर्म की लागत रु.	निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए अंतिम तिथि और समय
1	2	3	4	5	6
1	**09Amar-raja-SNT-SigMB** कोम्प्रेहेंसिव एनुअल मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट ऑफ इंटीग्रेटेड पॉवर सप्लाई आई पी एस ऑफ अमर राजा फॉर थ्री इयर्स ओवर मुरादाबाद डिवीज़न	14090856.12	281800.00	निल	05.06.2026 15:00
2	**SNT-Sig-ELD-FACS-MB-202** प्रोविजन ऑफ इ एल डी एंड अफ ए सी एस एट आई बी एस एंड एल सी गेट ओवर मुरादाबाद डिवीज़न	29210855.81	584200.00	निल	05.06.2026 15:00
3	**4RT-T-CCTVRRoom-MB25-26** मुरादाबाद मंडल के सभी प्रमुख स्थानों पर रिटायरिंग रूम और टिकट काउंटरों के साझा क्षेत्रों की निगरानी के लिए CCTV कैमरे उपलब्ध कराना।	21435302.09	428700.00	निल	05.06.2026 15:00
4	**02RT-T-CharBatt-MB-25-26** मुरादाबाद मंडल में पुराने हो चुके SMPS–आधारित चार्जर्स के स्थान पर, दूरसंचार उपकरणों के लिए SMPS–आधारित चार्जर्स और बैटरियों की आपूर्ति।	16231993.89	324600.00	निल	05.06.2026 15:00
5	**01-TELE-8-shed-MB-2025** मुरादाबाद मंडल के आठ गुड्स शेड (SEO, AWP, DPR, BJO, DUB, IQB, RK & BEK) पर बुनियादी ढांचे का प्रावधान/उन्नयन।	23742567.62	474900.00	निल	05.06.2026 15:00

नोट:– निविदा के पूरा विवरण www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। **Tender Notice no.-09Amar-raja-SNT-SigMB-CCTVRRoom-CharBatt-8-shed-MB-2025-26 Date: 08.05.2026 1556/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सोमनाथः भारत की अजेय आत्मा का प्रतीक!

नरेंद्र मोदी

जय सोमनाथ ! वर्ष 2026 की शुरुआत में मुझे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला। यह सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद भी मंदिर के शाश्वत और अविनाशी होने का पर्व था। अब 11 मई को मुझे एक बार फिर सोमनाथ जाने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। इस बार यह यात्रा पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में है। मैं उस क्षण को फिर जीने जा रहा हूं जब भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी ने मंदिर का लोकार्पण किया था। उस दिन, सोमनाथ में विध्वंस से सृजन तक की यात्रा फिर से जीवंत होगी। छह महीनों के भीतर सोमनाथ के इतिहास से जुड़े इन दो अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ावों का साक्षी बनना मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है।
सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प है। इसके सामने लहराता विशाल समुद्र अनंत काल की अनूभूति कराता है। इसकी लहरें हमें सिखाती हैं कि तूफान चाहे कितने भी विकराल क्यों न हों, मनुष्य का साहस और आत्मबल हर बार फिर से उठ खड़ा होने में सक्षम है। तट से टकराती लहरें सदियों से यह उद्घोष कर रही हैं कि मानवीय चेतना को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता है।हमारे प्राचीन शास्त्रों में लिखा है: प्रभासं च परिक्रम्य पृथिवीक्रमसंभवम्। अर्थात दिव्य प्रभास (सोमनाथ) की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान है! जब लोग यहां दर्शन–पूजन के लिए आते हैं, तब उन्हें उस सभ्यता की अद्भुत निरंतरता का भी अनुभव होता है, जिसकी ज्योति कभी बुझाई नहीं जा सकी। कई साम्राज्य आए और गए, समय बदला और इतिहास ने ढेरों उतार–चढ़ाव देखे, फिर भी सोमनाथ हमारे हृदय में हमेशा बना रहा।यह समय उन असंख्य महान विभूतियों के स्मरण का भी है, जो क्रूर आक्रांताओं के सम्मुख अडिग रहे। लकुलीश और सोम शर्मा जैसे मनीषियों ने प्रभास को शैव दर्शन का महान केंद्र बनाया। चक्रवर्ती महाराज धारसेन चतुर्थ ने सदियों पहले वहां दूसरा मंदिर बनवाया था। समय की कठिन परीक्षा के बीच भीम प्रथम, जयपाल और आनंदपाल जैसे शासकों ने आक्रमणों के विरुद्ध अपनी सभ्यता की ढाल बनकर मंदिर की रक्षा की थी। ऐसा माना जाता है कि महान राजा भोज ने भी इस पावन स्थल के पुनर्निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया था। कर्णदेव सोलंकी और जयसिंह सिद्धराज ने गुजरात की राजनीतिक और सांस्कृतिक शक्ति को पुनर्स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। भाव बृहस्पति, कुमारपाल सोलंकी और पाशुपताचार्यों ने इस तीर्थ को आराधना और ज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित करने में अमूल्य योगदान दिया। विशालदेव वाघेला और त्रिपुरांतक ने इसकी बौद्धिक और आध्यात्मिक परंपराओं की रक्षा की। महिपाल चूड़ासमा और राव खंगार चूड़ासमा ने विध्वंस के बाद पूजा–पाठ की परंपरा को पुनर्जीवित किया। पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर, जिनकी 300वीं जयंती मनाई जा रही है, उन्होंने सबसे चुनौतीपूर्ण समय में भी भक्ति की परंपरा को जीवंत रखा। बड़ौदा के गायकवाड़ों ने तीर्थयात्रियों के अधिकारों की रक्षा की। इसके साथ ही हमारी यह धरती वीर हमीरजी गोहिल, वीर वेगड़ाजी भील जैसे पराक्रमियों से धन्य हुई है। उनके साहस और बलिदान को आज भी याद किया जाता है।
1940 के दशक में स्वतंत्रता की भावना पूरे भारत में फैल रही थी। सरदार पटेल जैसे महान नेताओं के नेतृत्व में स्वतंत्र भारत की नींव रखी जा रही थी। ऐसे में एक बात जो उन्हें बहुत व्यथित करती थी, वह थी– सोमनाथ की दुर्दशा। 13 नवंबर 1947 को, दिवाली के समय, उन्होंने सोमनाथ के जर्जर अवशेषों के सामने खड़े होकर, समुद्र का जल हाथ में लेकर संकल्प लिया, 'इइस (गुजराती) नववर्ष पर हमारा निश्चय है कि सोमनाथ का पुनर्निर्माण होगा। सौराष्ट्र के लोगों को इसके लिए हर तरह से अपना योगदान देना होगा। यह एक पावन कार्य है, जिसमें हर किसी को भागीदारी निभानी होगी।इझ् उनके इस आह्वान ने सिर्फ गुजरात ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष को नए उत्साह से भर दिया। दुर्भाग्यवश, सरदार पटेल अपने उस सपने को साकार होते नहीं देख सके, जिसके लिए उन्होंने स्वयं को समर्पित कर दिया था। इससे पहले कि जीर्णोद्धार के बाद सोमनाथ मंदिर भक्तों के लिए खुलता, उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

चिंतन-मनन

काम में तल्लीनता

एक साधक से पूछा गया-आप साधना करते हैं? उसने कहा, जब भूख लगती है, तब खा लेता हूं और जब नींद आती है, तब सो जाता हूं। यही है मेरी साधना। उसने कहा, बड़ी सीधी बात है। यह तो मैं भी कर सकता हूं। साधक से कहा, अच्छा आओ, भोजन करें। दोनों भोजन करने बैठे। भोजन पूरा हुआ। साधक ने पूछा, भोजन कर लिया? हां, कर लिया। क्या खाया?
रोटी, शाक, चावल और मिठाई। केवल भोजन ही किया या कुछ स्मृति और कल्पना भी की? भोजन करते-करते अनेक स्मृतियां सामने आ गई। मीठी-मीठी कल्पनाएं भी कीं। भोजन यंत्रवत चलता रहा और मैं उन स्मृतियों और कल्पनाओं में डूबता रहा। परोसी हुई थाली खाली हो गई। हाथ धोकर उठ खड़ा हुआ। साधक ने कहा, भाई! तुमने भोजन कहां किया? भोजन कहां खाया? तुमने तो स्मृतियां खाई हैं, कल्पनाएं खाई हैं, विचार खाया है, रोटी और मिठाई कहां खाई केवल रोटी और मिठाई खाना बहुत कठिन होता है। आदमी विचार खाता है, कल्पना खाता है। आयुर्वेद का एक सूत्र है, तन्मना भुजीत- भोजन करते समय इसी बात का ध्यान रहे कि मैं भोजन कर रहा हूं। यह स्वास्थ्य की दृष्टि से कही हुई बात है, किन्तु साधना की दृष्टि से यह और अधिक महत्वपूर्ण बन जाती है। साधक जो काम करे वह उसी में तन्मय बन जाए अन्यथा व्यक्तित्व खण्डित हो जाता है। डुयल पर्सनेलिटी खतरनाक होती है। जहां खंडित व्यक्तित्व होता है, वहां कोई सम्बन्ध स्थापित नहीं हो सकता।

आजादी का मोल तो जान लिया, पर नागरिक होने का फर्ज कब सीखेंगे?

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में 10 मई की तारीख महज एक घटना नहीं, बल्कि एक हमारी चेतना के उदय का प्रतीक है। संयोग देखिए कि वर्ष 1857 के उस रविवार और आज के रविवार में एक अद्भुत समानता है - वही तारीख और वही दिन। लेकिन इस समानता के बीच समय का एक लंबा फासला है, जो हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि जिस आजादी की नींव मेरठ की उन गलियों में रखी गई थी, उसे एक नागरिक के तौर पर हमने कितना समझा है। 10 मई 1857 की उस शाम मेरठ छावनी में जब भारतीय सैनिकों ने विद्रोह का बिगुल फूंका, तो वह केवल एक सैन्य बगावत नहीं थी। वह बरसों से दबे हुए उस गुस्से की आवाज थी, जो ब्रिटिश शासन के जुल्म और बेइज्जती के खिलाफ पनप रहा था।
अक्सर कहा जाता है कि बगावत चर्बी वाले कारतूसों की वजह से हुई, लेकिन असल में यह लड़ाई अपनी मिट्टी और अपनी पहचान को बचाने की थी। सोचिए, उस दौर में न तो आज की तरह मोबाइल फोन थे और न ही इंटरनेट। उन सैनिकों के पास लड़ने के लिए न तो बहुत आधुनिक हथियार थे और न ही सुख-सुविधाएं। इसके बावजूद उन्होंने रोटी और कमल जैसे साधारण प्रतीकों के जरिए पूरे देश को जोड़ दिया। यह जुड़ाव इतना मजबूत था कि आज की इस सूचना क्रांति के दौर में भी वह एक मिसाल है। मेरठ से दिल्ली की ओर बढ़ने वाले उन क्रांतिकारियों के बीच धर्म, जाति या इलाके की कोई दीवार नहीं थी। उस वक्त उनके सामने सिर्फ एक ही लक्ष्य था - देश को गुलामी की जंजीरों से बाहर निकालना। हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सैनिकों ने आपसी मतभेद भुलाकर कंधे से कंधा मिलाया और दिल्ली के तख्त को अपना नेतृत्व सौंपा। भारतीय एकता के उस सुनहरे दौर को आज के विखंडित होते समाज मे फिर से याद करने की बहुत जरूरत है। लेकिन जब हम आज के हालात में उस महान क्रांति को देखते हैं, तो कई कड़वी सच्चाईयां सामने आती हैं।
आजादी मिले साढ़े सात दशक बीत चुके हैं, पर क्या हम वाकई एक जागरूक और चेतना संपन्न नागरिक बन पाए हैं? आज हमारे पास संविधान से मिले अधिकार तो हैं, परंतु हम उनके लिए लड़ना नहीं जानते और जब उन्हीं अधिकारों के साथ जुड़ी अपनी जिम्मेदारियों को निभाने की बात आती है, तो हम अक्सर मुंह फेर लेते हैं। आज के समय की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि हम आजादी का मतलब सिर्फ बाधाओं से मुक्ति या अपनी मनमर्जी करना समझ बैठे हैं। हमें लगता है कि आजादी का मतलब है कि हमारे ऊपर कोई रोक-टोक न हो, जबकि असली आजादी खुद पर नियंत्रण रखने और अपने उत्तरदायित्वों को निभाने में है।
सार्वजनिक जगहों पर गंदगी फैलाना, ट्रैफिक के नियमों को मजाक समझना और आपस में बढ़ती कड़वाहट - ये सब इस बात का प्रमाण हैं कि हमें अपने हक तो याद हैं, लेकिन हम अपने कर्तव्यों के मामले में बिल्कुल मौन हैं। हमें यह समझना होगा कि 10 मई की वह क्रांति केवल अंग्रेजों को देश से बाहर निकालने के लिए नहीं थी, बल्कि एक ऐसे स्वाभिमानी राष्ट्र के निर्माण के लिए थी जहाँ हर इंसान की इज्जत हो। तो खुद से पूछना चाहिए कि आज बतौर नागरिक हमारी वो इज्जत है, जिसके लिए हमारे पुरखे लड़े। क्या हम उन शहीदों के सपनों जैसा समाज बना पा रहे हैं? 10 मई का यह ऐतिहासिक दिन हमें केवल पुराने गौरव को याद करने का मौका नहीं देता, बल्कि हमें आगाह भी करता है। यह याद दिलाता है कि आजादी खैरात में मिली कोई चीज नहीं है, बल्कि यह एक साधना है जिसे हर नागरिक को अपने अच्छे आचरण से बचाकर रखना पड़ता है। अगर हम वाकई उन क्रांतिकारियों को सम्मान देना चाहते हैं, तो हमें अपनी आजादी को अनुशासन के साथ जीना होगा। जिस दिन हम अपनी नागरिक जिम्मेदारियों को अपने अधिकारों के बराबर खड़ा कर देंगे, उसी दिन 1857 की वह क्रांति सही मायने में सफल मानी जाएगी।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संस्कारों की जननी शिक्षा और समकालीन परिवर्तन की आवश्यकता

कांतिलाल मांडोत

मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि उस ज्ञान को जीवन में उतारकर स्वयं को एक श्रेष्ठ मनुष्य बनाना है। शिक्षा और संस्कार का संबंध इसी सत्य को प्रकट करता है। शिक्षा व्यक्ति को योग्य बनाती है, जबकि संस्कार उसे महान बनाते हैं। आज के समय में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि शिक्षा का विस्तार तो हुआ है, परन्तु संस्कारों का क्षय भी उसी गति से बढ़ा है। यही कारण है कि समाज में विद्वान व्यक्तियों की कमी नहीं है, पर सुसंस्कृत व्यक्तियों की कमी अवश्य महसूस होती है। इस परिस्थिति में शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है।
संस्कार और शिक्षा के बीच का अंतर समझना आवश्यक है। शिक्षा एक बाहरी प्रक्रिया है, जो पुस्तकों, विद्यालयों और परीक्षाओं के माध्यम से प्राप्त होती है, जबकि संस्कार आंतरिक प्रक्रिया है, जो परिवार, वातावरण और अनुभवों से विकसित होती है। एक व्यक्ति उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकता है, पर यदि उसमें विनम्रता, करुणा, सत्यनिष्ठा और कर्तव्यपरायणता जैसे गुण नहीं हैं, तो उसकी शिक्षा अधूरी मानी जाएगी। दूसरी ओर, एक अशिक्षित व्यक्ति भी अपने श्रेष्ठ संस्कारों के कारण समाज में सम्मानित स्थान प्राप्त कर सकता है।
वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में सबसे बड़ी समस्या यह है कि यह केवल ज्ञान और कौशल पर केंद्रित हो गई है। विद्यालयों में बच्चों को परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए तैयार किया जाता है, न कि एक अच्छा नागरिक बनने के लिए। नैतिक शिक्षा, मानवता, सहानुभूति और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे विषय धीरे-धीरे शिक्षा से दूर होते जा रहे हैं। बच्चों पर पुस्तकों का भार इतना अधिक है कि उनके पास जीवन के मूल्यों को समझने का समय ही नहीं बचता। परिणामस्वरूप, वे प्रतिस्पर्धा में तो आगे बढ़ते हैं, पर जीवन के मूल उद्देश्य से भटक जाते हैं।
संस्कारों की नींव बचपन में ही रखी जाती है, और इसमें माता-पिता की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। विशेष रूप से माता का प्रभाव बच्चे के जीवन पर गहरा होता है। बचपन में जो आदतें और विचार बच्चे के मन में स्थापित होते हैं, वही आगे चलकर उसके व्यक्तित्व का आधार बनते हैं। इसलिए यदि प्रारंभिक अवस्था में ही बच्चों को अच्छे संस्कार दिए जाएं, तो वे जीवनभर उनका पालन करते हैं। परन्तु आज की व्यस्त जीवनशैली में माता-पिता बच्चों के साथ पर्याप्त समय नहीं बिता पाते, जिससे संस्कारों का अभाव बढ़ता जा रहा है।
विद्यालयों का दायित्व केवल शिक्षा देना नहीं, बल्कि संस्कारों का विकास करना भी है। शिक्षक केवल ज्ञान के प्रदाता नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और प्रेरक भी होते हैं। यदि शिक्षक अपने आचरण से बच्चों के सामने उदाहरण प्रस्तुत करें, तो बच्चों पर उसका गहरा प्रभाव पड़ता है। दुर्भाग्यवश, आज शिक्षा एक व्यवसाय बनती जा रही है, जहां शिक्षक और छात्र दोनों ही केवल परिणामों पर ध्यान देते हैं, न कि प्रक्रिया पर। इस प्रवृत्ति को बदलना अत्यंत आवश्यक है।
सरकार को शिक्षा में सुधार के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। सबसे पहले, शिक्षा नीति में नैतिक और मूल्य आधारित शिक्षा को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। विद्यालयों में केवल सैद्धांतिक ज्ञान के बजाय जीवन कौशल, नैतिक शिक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। पाठ्यक्रम में ऐसे विषय शामिल किए जाएं, जो बच्चों को जीवन के वास्तविक पहलुओं से जोड़ें।
दूसरे, शिक्षकों के प्रशिक्षण में सुधार किया जाना चाहिए। शिक्षकों को केवल विषय ज्ञान ही नहीं, बल्कि बच्चों के मानसिक और भावनात्मक विकास के लिए भी प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। उन्हें यह सिखाया जाए कि वे बच्चों में अच्छे संस्कार कैसे विकसित कर सकते हैं। एक प्रेरणादायक शिक्षक ही एक सशक्त समाज का निर्माण कर सकता है।
तीसरे, शिक्षा प्रणाली को परीक्षा-केंद्रित होने से बचाना चाहिए। वर्तमान में बच्चों की योग्यता का आकलन केवल अंकों के आधार पर किया जाता है, जो उचित नहीं है। इसके स्थान पर समग्र मूल्यांकन प्रणाली अपनाई जानी चाहिए, जिसमें बच्चों के व्यवहार, नैतिकता और सामाजिक योगदान को भी महत्व दिया जाए।
चौथे, विद्यालयों में सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। खेल, कला, संगीत और सामाजिक सेवा जैसी गतिविधियाँ बच्चों के व्यक्तित्व को संतुलित बनाती हैं और उनमें सहयोग, अनुशासन और संवेदनशीलता जैसे गुण विकसित करती हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल मस्तिष्क का विकास नहीं, बल्कि हृदय का विकास भी होना चाहिए।
पांचवें, सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शिक्षा सभी के लिए सुलभ और समान हो। आर्थिक असमानता के कारण कई बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। यदि सभी बच्चों को समान अवसर मिलेंगे, तो समाज में संतुलन और समरसता स्थापित होगी।
इसके अतिरिक्त, परिवार और समाज को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। माता-पिता को बच्चों के साथ समय बिताना चाहिए और उन्हें जीवन के मूल्यों से परिचित कराना चाहिए। समाज को भी ऐसे वातावरण का निर्माण करना चाहिए, जहां अच्छे संस्कारों को प्रोत्साहन मिले।
आज के बच्चे ही भविष्य के नागरिक हैं। यदि उनमें अच्छे संस्कार विकसित किए जाएं, तो वे एक सशक्त और नैतिक समाज का निर्माण कर सकते हैं। शिक्षा को केवल रोजगार का माध्यम न बनाकर, जीवन निर्माण का साधन बनाना होगा। इसके लिए सरकार, विद्यालय, शिक्षक और अभिभावक सभी को मिलकर प्रयास करना होगा।
अंततः यही कहा जा सकता है कि शिक्षा और संस्कार एक-दूसरे के पूरक हैं। बिना संस्कार के शिक्षा अधूरी है और बिना शिक्षा के संस्कारों का विकास सीमित हो सकता है। इसलिए आवश्यक है कि शिक्षा को संस्कारों की जननी के रूप में पुनः स्थापित किया जाए। जब शिक्षा में नैतिकता, मानवता और जीवन मूल्यों का समावेश होगा, तभी एक आदर्श समाज का निर्माण संभव होगा।

बंगाल की हिंसा है लोकतंत्र पर धब्बा और बड़ी चुनौती

ललित गर्ग

यह विडंबना है कि भारत, जिसने विश्व को अहिंसा, करुणा और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का मंत्र दिया, आज वही देश राजनीतिक हिंसा के कारण अपनी छवि धूमिल करता दिखाई देता है। महात्मा गांधी ने राजनीति को नैतिकता और सेवा से जोड़ा था, लेकिन आज राजनीति सत्ता, प्रतिशोध और भय का माध्यम बनती जा रही है। बंगाल की हिंसा इस बीमारी का एक भयावह उदाहरण है। पश्चिम बंगाल का राजनीतिक इतिहास हिंसा से अछूता नहीं रहा है।

पश्चिम बंगाल में हाल ही में सम्पन्न विधानसभा चुनावों के बाद जिस प्रकार हिंसा, हत्याओं, आगजनी और राजनीतिक प्रतिशोध की घटनाएं सामने आई हैं, उन्होंने केवल राज्य की शांति को ही नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा को भी आहत किया है। चुनाव लोकतंत्र का उत्सव माना जाता है, किंतु जब यह उत्सव हिंसा, भय और प्रतिशोध में बदल जाए तो यह केवल राजनीतिक असफलता नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक पतन का संकेत बन जाता है। बंगाल की ताजा हिंसक घटनाएं इसी चिंता को सामने लाती हैं। चुनाव के दौरान छिटपुट घटनाओं को छोड़ दें तो मतदान अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ था। लेकिन परिणामों की घोषणा के बाद जिस प्रकार राजनीतिक दलों के समर्थक एक-दूसरे के खिलाफ आक्रामक हुए, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अब वैचारिक संघर्ष न रहकर प्रतिशोध और वर्चस्व की लड़ाई बनती जा रही है। भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के कार्यकताओं के बीच हिंसक झड़पें, कई लोगों की हत्याएं और विशेष रूप से सुवेंदु अधिकारी के करीबी चंद्रनाथ रथ की हत्या ने पूरे घटनाक्रम को और अधिक गंभीर बना दिया। आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हुआ, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह क्यों बची रहनी चाहिए?
यह विडंबना है कि भारत, जिसने विश्व को अहिंसा, करुणा और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का मंत्र दिया, आज वही देश राजनीतिक हिंसा के कारण अपनी छवि धूमिल करता दिखाई देता है। महात्मा गांधी ने राजनीति को नैतिकता और सेवा से जोड़ा था, लेकिन आज राजनीति सत्ता, प्रतिशोध और भय का माध्यम बनती जा रही है। बंगाल की हिंसा इस बीमारी का एक भयावह उदाहरण है। पश्चिम बंगाल का राजनीतिक इतिहास हिंसा से अछूता नहीं रहा है। वामपंथी शासन के लंबे दौर से लेकर तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल तक राजनीतिक संघर्ष कई बार रक्तरंजित रूप में सामने आया। बूथ कब्जाने, विरोधियों को डराने, स्थानीय दबंगों और अपराधी तत्वों का राजनीतिक संरक्षण-ये सब बंगाल की राजनीति की कटु वास्तविकताएं रही हैं। सत्ता बदलती रही, लेकिन राजनीतिक संस्कृति में अपेक्षित परिवर्तन नहीं आ सका। यही कारण है कि चुनाव परिणामों के बाद भी हिंसा का वातावरण बनता है और आम नागरिक भय तथा असुरक्षा के बीच जीने को मजबूर होता है।
दरअसल जब राजनीति विचार और जनसेवा से हटकर केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम बन जाती है, तब हिंसा उसका स्वाभाविक परिणाम बनती है। हार को लोकतांत्रिक विनम्रता से स्वीकार करने के बजाय प्रतिशोध का माध्यम बना लेना लोकतांत्रिक मूल्यों का अपमान है। यही कारण है कि चुनाव आयोग के स्पष्ट निर्देशों और विजय जुलूसों पर प्रतिबंध के बावजूद हिंसक घटनाएं हुईं। यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि राजनीतिक दलों की नैतिक विफलता भी है। ममता बनर्जी द्वारा चुनाव परिणामों पर सवाल उठाना और राजनीतिक टकराव को तीखा बनाना हो या भाजपा द्वारा आक्रामक राजनीतिक प्रतिक्रिया-दोनों पक्षों को आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। लोकतंत्र में विपक्ष और सत्ता दोनों की जिम्मेदारी होती है कि वे जनता को शांति और संयम का संदेश दें। दुर्भाग्य से हमारे राजनीतिक दल अक्सर कार्यकताओं की भावनाओं को नियंत्रित करने के बजाय उन्हें उकसाने का काम करते हैं। परिणामस्वरूप हिंसा सामान्य राजनीतिक व्यवहार का हिस्सा बनती जा रही है।
सबसे अधिक पीड़ा इस बात की है कि राजनीतिक हिंसा की कीमत हमेशा आम जनता को चुकानी पड़ती है। जिन लोगों के घर जलते हैं, जिन परिवारों के सदस्य मारे जाते हैं, जिन छोटे व्यापारियों की दुकानें टूटती हैं, उनका राजनीति से कोई सीधा संबंध नहीं होता। वे केवल उस हिंसक मानसिकता के शिकार बनते हैं जो सत्ता को मानवता से ऊपर मानती है। यह प्रश्न गंभीरता से पूछा जाना चाहिए कि आखिर राजनीतिक दल हिंसा का सहारा क्यों लेते हैं? जबकि इतिहास गवाह है कि हिंसा कभी स्थायी समाधान नहीं देती। हिंसा केवल भय, अविश्वास और प्रतिशोध को जन्म देती है। जो दल हिंसा को हथियार बनाते हैं, वे अंततः जनता की नजरों में अपना नैतिक अधिकार खो देते हैं। राजनीति का उद्देश्य समाज को जोड़ना होना चाहिए, तोड़ना नहीं।
आज भारत एक नए वैश्विक दौर में प्रवेश कर रहा है। दुनिया भारत को एक उभरती आर्थिक शक्ति, तकनीकी महाशक्ति और लोकतांत्रिक मॉडल के रूप में देख रही है। वर्ष 2047 तक जब भारत अपनी स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे करेगा, तब हमारा लक्ष्य केवल आर्थिक विकास नहीं होना चाहिए, बल्कि एक ऐसे सभ्य और नैतिक राष्ट्र का निर्माण भी होना चाहिए जहां राजनीति का आधार अहिंसा, संवाद और संवेदनशीलता हो। यदि राजनीतिक दल नफरत, सांप्रदायिकता और हिंसा को अपना हथियार बनाए रखेंगे, तो विकसित भारत का सपना अधूरा रह जाएगा। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी सांस्कृतिक चेतना रही है। गौतम बुद्ध ने करुणा का संदेश दिया, महावीर ने अहिंसा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य बताया, गांधी ने सत्य और अहिंसा के बल पर साम्राज्य को चुनौती दी। यह वही भारत है जिसने दुनिया को यह सिखाया कि मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति प्रेम और सह-अस्तित्व है। लेकिन आज राजनीतिक स्वार्थों और गैर-राजनीतिक आपराधिक तत्वों के कारण देश की छवि प्रभावित हो रही है। अपराधी मानसिकता के लोग राजनीतिक संरक्षण प्राप्त कर लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं। वे दल बदलते रहते हैं, लेकिन उनका उद्देश्य केवल शक्ति और स्वार्थ की पूर्ति होता है। बंगाल की ताजा घटनाओं में भी ऐसे तत्वों की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता।
समाधान केवल प्रशासनिक कठोरता में नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति के परिवर्तन में निहित है। सबसे पहले सभी राजनीतिक दलों को सार्वजनिक रूप से हिंसा की निंदा करनी चाहिए और अपने कार्यकताओं को संयम बरतने का स्पष्ट संदेश देना चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र प्रतिद्वंद्विता का नहीं, सह-अस्तित्व का नाम है। दूसरा, कानून व्यवस्था को लेकर 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनानी होगी। किसी भी दल से जुड़े उपद्रवियों के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई होनी चाहिए। पुलिस और प्रशासन को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखकर संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्क निगरानी बढ़ानी होगी। तीसरा, राजनीति के अपराधीकरण पर कठोर नियंत्रण आवश्यक है। ऐसे लोगों को राजनीतिक दलों में प्रवेश ही न मिले जिनकी पृष्ठभूमि हिंसक और आपराधिक रही हो। राजनीतिक दलों को अपने भीतर नैतिक अनुशासन विकसित करना होगा। चैथा, समाज में लोकतांत्रिक शिक्षा और संवेदनशीलता का वातावरण बनाना होगा। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और सामाजिक संस्थाओं में संवाद, सहिष्णुता और अहिंसा के मूल्यों को मजबूत करना समय की आवश्यकता है। जब तक समाज स्वयं हिंसा को अस्वीकार नहीं करेगा, तब तक राजनीतिक हिंसा का अंत कठिन होगा।
बंगाल की ताजा हिंसा केवल एक राज्य की समस्या नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के सामने खड़ी एक गंभीर चेतावनी है। यदि हमने समय रहते राजनीति को स्वस्थ मूल्यों की ओर नहीं मोड़ा, तो नफरत और हिंसा लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करती रहेंगी। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी आत्मा को पहचाने। यह देश युद्ध और प्रतिशोध की नहीं, बल्कि शांति, सह-अस्तित्व और विश्वबंधुत्व की भूमि है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' केवल एक नारा नहीं, बल्कि भारत की सभ्यता का मूल दर्शन है। यदि राजनीति इस दर्शन से विमुख होगी, तो लोकतंत्र केवल सत्ता संघर्ष बनकर रह जाएगा। पश्चिम बंगाल को अब हिंसा और प्रतिशोध की राजनीति से बाहर निकलकर विकास, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक समरसता की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। यही लोकतंत्र की गरिमा है, यही जनता की अपेक्षा है और यही विकसित भारत का मार्ग भी।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान- स्कूल की छत गिरी चार बच्चों की मौत, 16 घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक निजी स्कूल की छत गिरने से चार बच्चों की मलबे में दबकर मौत हो गई और 14 छात्र घायल हो गए। राहत कार्य के दौरान एक शिक्षक को भी सुरक्षित निकाल लिया गया है। बचाव दल के अनुसार, मलबे में अभी और बच्चों के दबे होने की आशंका है। घायलों में कई की हालत नाजुक है, जिससे मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में घर बाहर खड़ी बाइक में लदे विस्फोट के फटने से तीन बच्चों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह धमाका बुधवार शाम अफगानिस्तान से सटे घवा खवा इलाके में हुआ।

बोस्निया में राष्ट्रपति चुनाव अक्तूबर में, 33 लाख देंगे वोट

साराजेवो, एजेंसी। बोस्निया में चार अक्तूबर को राष्ट्रपति और संसदीय चुनाव आयोजित होंगे। चुनाव आयोग ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा की और कहा कि चुनावों में लगभग 33 लाख पंजीकृत मतदाता त्रिपक्षीय राष्ट्रपति पद के लिए सर्ब, क्रोएशियाई और बोस्नियाई सदस्यों के साथ-साथ राष्ट्रीय संसद के प्रतिनिधियों का चुनाव करेंगे।

मंगल ग्रह पर नासा के रोवर को दिखा क्रोकोडाइल ब्रिज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष नासा के पर्सिवरेंस रोवर ने मंगल ग्रह पर अनोखी चट्टानी संरचना की तस्वीरें भेजी हैं। इसे वैज्ञानिकों ने क्रोकोडाइल ब्रिज का नाम दिया है। यह संरचना जेजेरो क्रेटर के किनारे स्थित है। इसे मंगल के सबसे प्राचीन इलाकों में से एक माना जा रहा है। रोवर के मास्टकैम-जेड कैमरा सिस्टम ने इस क्षेत्र की 360 डिग्री पैनोरमिक तस्वीर तैयार की, जिसमें 980 तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया। यह क्षेत्र मंगल के नोआशियन काल का हिस्सा है, जो लगभग 3.7 अरब वर्ष पुराना माना जाता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये चट्टानें उस समय की हैं, जब मंगल की सतह और वातावरण बन रहे थे और क्रेटर में पानी भरने से पहले की स्थिति को दर्शाती हैं। क्रोकोडाइल ब्रिज मेहराबनुमा व ऊबड़-खाबड़ चट्टानी संरचना है, जिसका आकार मगरमच्छ की पीठ जैसा है। दिखाई देता है। यह खोज इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि मंगल पर प्लेट टेक्टॉनिक्स नहीं होने के कारण अरबों वर्ष पुरानी सतह अब भी सुरक्षित है।

एयरपोर्ट निर्माण में भ्रष्टाचार, पूर्व वित्त मंत्री व चीनी कंपनी पर केस

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की शीर्ष भ्रष्टाचार निरोधक संस्था अख्तियार दुरुपयोग अनुसंधान आयोग (सीआईएए) ने चीन की सहायता से बने पोखरा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के निर्माण में भ्रष्टाचार मामले में केस दर्ज किया है। पूर्व वित्त मंत्री ज्ञानेंद्र बहादुर कार्की समेत 14 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इनमें चीनी कंपनी चाइना सीएएमसी इंजीनियरिंग को भी आरोपी बनाया गया है। आयोग के अनुसार, एयरपोर्ट निर्माण के दौरान मूल समझौते का उल्लंघन कर चीनी ठेकेदार को अवैध रूप से टैक्स छूट दी गई। इस मामले में 3.62 अरब नेपाली रुपये के नुकसान का दावा किया गया है। आरोपियों में पूर्व सचिव केवल भंडारी, महेश्वर न्यूपाने, सुरेश आचार्य आदि शामिल हैं। गौरतलब है कि पोखरा एयरपोर्ट को मशहूर अन्नपूर्णा सर्किट का प्रवेश द्वार माना जाता है।

अमेरिका और चीन के संबंध स्थिर- वांग यी

बीजिंग, एजेंसी। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि पिछले एक साल में कई उतार-चढ़ाव व बाधाओं के बावजूद अमेरिका-चीन के रिश्ते स्थिर रहे हैं। उन्होंने अब दोनों देशों से वैश्विक शांति में योगदान के तरीके खोजने का आह्वान किया है। वांग यी की यह टिप्पणी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अगले सप्ताह संभावित बीजिंग दौरे से पहले आई है। अमेरिकी सीनेटर स्टीव डेन्स के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान वांग ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग और डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने कठिन समय में द्विपक्षीय संबंधों को सही दिशा दी है। अमेरिकी सीनेटर डेन्स ने भी वांग की बात का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका चीन के साथ रिश्तों को तोड़ना नहीं बल्कि तनाव कम करना चाहता है।

अमेरिका में हजारों लोगों के पासपोर्ट रद्द होंगे

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका सरकार अब उन लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने जा रही है जो बच्चों के पालन-पोषण का पैसा यानी चाइल्ड सपोर्ट नहीं दे रहे हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने घोषणा की है कि ऐसे हजारों लोगों के पासपोर्ट रद्द किए जाएंगे। शुरुआत में यह कार्रवाई उन लोगों पर होगी जिन पर 1 लाख डॉलर या उससे ज्यादा का बकाया है। ऐसे करीब 2700 अमेरिकी नागरिकों की पहचान की गई है। बाद में यह नियम उन सभी पर लागू होगा जिन पर 2500 डॉलर से ज्यादा का चाइल्ड सपोर्ट बकाया है।

ट्रंप के गाजा बोर्ड से डील कर रहे हमास चीफ के बेटे को इजरायल ने मार गिराया

गाजा , एजेंसी। गाजा के भविष्य को लेकर अमेरिकी मध्यस्थता वाली वार्ताओं के बीच इजरायल और हमास के बीच नाजुक युद्धविराम को बनाए रखने की कोशिशें जारी हैं। इसी दौरान हमास के वरिष्ठ नेता खलील अल-हय्या के बेटे की इजरायली हवाई हमले में मौत हो गई। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, हमास अधिकारियों ने बताया कि खलील अल-हय्या के चौथे पुत्र अज्जाम अल-हय्या गाजा शहर में इजरायली हमले में घायल हुए थे, जिनकी बाद में मौत हो गई। यह खलील अल-हय्या के परिवार का चौथा सदस्य है, जिसकी इजरायली हमलों में जान गई है। अक्टूबर में घोषित युद्धविराम के बावजूद इजरायली सेना गाजा में लगातार हमले कर रही है। इजरायल इन हमलों में उन ठिकानों को निशाना बना रहा है जिन्हें वह आतंकवादी ठिकाने मानता है। एक अलग हमले में गाजा शहर की एक चौकी पर हमास से जुड़े तीन सुरक्षाकर्मी मारे गए। हमास ने इन हमलों को वार्ताओं पर दबाव बनाने की इजरायली रणनीति बताया है। हमास का आरोप है कि इजरायल लक्षित हत्याओं के जरिए नेतृत्व पर दबाव डालकर वार्ता प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है। अज्जाम अल-हय्या की मौत ने इन आरोपों को और मजबूती दी है।

खलील अल-हय्या ने रॉयटर्स को दिए बयान में कहा, 'ये जायोनी हमले और युद्धविराम के उल्लंघन साफ तौर पर दिखाते हैं कि कब्जाकर्ता न तो युद्धविराम का सम्मान करना चाहते हैं और न ही इसके पहले चरण को लागू करना चाहते हैं। हमास के प्रवक्ता हाजेम कासिम ने कहा कि हम स्पष्ट रूप से कहते हैं कि नेताओं और उनके परिवार के सदस्यों को बार-बार निशाना बनाने की यह नीति न हमारे फिलिस्तीनी लोगों, न हमास के नेतृत्व और न ही उसके वार्ता प्रतिनिधिमंडल से कोई राजनीतिक रियायत हासिल कर पाएगी।

अज्जाम अल-हय्या के अंतिम संस्कार में गाजा में बड़ी संख्या में फिलिस्तीनी जमा हुए। लोगों ने 'अल्लाहु अकबर' के नारे लगाए और प्रार्थना के बाद शव को दफनाया। परिवार के सदस्यों ने दुख और प्रतिरोध की भावना जताई। अज्जाम की बहन ने कहा कि हम भी बाकी फिलिस्तीनियों जैसे हैं। हर किसी ने दर्द सहा है, हर किसी ने बलिदान दिया है। हम भी उन्हीं में शामिल हैं।

अमेरिका समर्थित ट्रंप की गाजा योजना पर हो रही वार्ताएं प्रमुख मुद्दों पर गतिरोध में फंस गई हैं। इन मुद्दों में हमास का निरस्त्रीकरण और गाजा में इजरायली सैन्य उपस्थिति शामिल हैं। योजना के तहत पुनर्निर्माण शुरू होने तक इजरायली सैनिकों की वापसी और हमास से हथियार जमा कराने का प्रावधान है। वहीं, हमास अधिकारियों ने साफ कहा है कि जब तक इजरायल अपने वादों को पूरा नहीं करता, वे वार्ता के अगले चरण में नहीं जाएंगे। यह हत्या उसी समय हुई जब हमास के नेता और अन्य फिलिस्तीनी गुट इस सप्ताह काहिरा में मध्यस्थों और दूत निकोले म्लादेनोव से मिल रहे थे।

रूस ने यूक्रेन के साथ युद्धविराम की घोषणा की, 10 मई तक लागू रहेगा सीजफायर

मॉस्को, एजेंसी। रूस के रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को घोषणा की कि यूक्रेन के साथ जारी युद्ध के बीच रूस आठ मई की आधी रात से 10 मई तक युद्धविराम (सीजफायर) लागू करेगा। स्थानीय मीडिया के अनुसार, यह फैसला द्वितीय विश्व युद्ध में सोवियत लोगों की जीत की 81वीं वर्षगांठ के समारोह के दौरान लिया गया है। सरकारी रूसी न्यूज एजेंसी टास के अनुसार, रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूसी संघ के राष्ट्रपति और सशस्त्र बलों के सुप्रीम कमांडर व्लादिमीर पुतिन के फैसले के अनुसार, महान देशभक्ति युद्ध में सोवियत लोगों की जीत की 81वीं वर्षगांठ के समारोह के दौरान, 8 मई की आधी रात से 10 मई तक रूस की ओर से युद्धविराम घोषित किया जाता है। चार मई को येवरेन में हुए 8वें यूरोपीय पॉलिटिकल कम्युनिटी समिट में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने 9 मई को होने वाली रूस की विक्ट्री परेड का जिक्र करते हुए कहा था कि इस बार शायद परेड में सैन्य उपकरण न दिखें। अगर ऐसा होता है, तो यह कई वर्षों में पहली बार होगा। वे सैन्य उपकरण नहीं ला सकते और उन्हें डर है कि रेड स्क्वायर के ऊपर ड्रोन मंडरा सकते हैं। रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि अगर यूरोपीय संघ के देशों को लगता है कि वे जेलेंस्की के आक्रामक बयानों को नजरअंदाज कर सकते हैं, तो वे गलत हैं। उन्होंने कहा, 'हम अच्छी तरह जानते हैं कि 9 मई को लेकर पश्चिमी देशों का रवैया क्या है। वे लगातार सोवियत स्मारकों को नष्ट कर रहे हैं, सोवियत सैनिकों की यादों को मिटा रहे हैं और इतिहास को बदलने की कोशिश कर रहे हैं।' रिपोर्ट के मुताबिक, मॉस्को में होने वाली विक्ट्री परेड पर संभावित यूक्रेनी ड्रोन हमले की चेतावनी के जवाब में रूस के राजनयिकों और सैन्य अधिकारियों ने कहा कि रूसी सेना कीव के केंद्र पर बड़े पैमाने पर मिसाइल हमला कर सकती है। उनका कहना था कि अब तक रूस ने ऐसा करने से परहेज किया है, जबकि उसके पास इसकी क्षमता मौजूद है। रूस के विदेश मंत्रालय ने यह भी बताया कि जेलेंस्की के येवरेन में दिए गए बयानों को लेकर आर्मेनिया के राजदूत को तलब किया गया। रूस के उप विदेश मंत्री मिखाइल गालुजि?न ने मॉस्को में आर्मेनिया के राजदूत गुरगेन आर्सेन्यान से मुलाकात की और कहा कि आर्मेनिया द्वारा जेलेंस्की को रूस के खिलाफ 'आतंकी धमकियां' देने के लिए मंच देना पूरी तरह अस्वीकार्य है।

कच्चे तेल की कीमतों में लगी आग : अमेरिका-ईरान तनाव से ब्रेंट क्रूड 102 डॉलर के पार

वाशिंगटन, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में बढ़ते सैन्य तनाव का सीधा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दिखने लगा है। अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज़ स्ट्रेट में हुई ताज़ा गोलाबारी के बाद शुक्रवार सुबह एशियाई बाज़ारों में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल दर्ज किया गया। स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज़ में दोनों देशों के बीच हुई गोलीबारी की ख़बर फैलते ही तेल की कीमतों ने रफ़्तार पकड़ ली। ब्रेंट क्रूड : वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट की कीमत 2.6% बढ़कर 102.70 डॉलर प्रति बैरल तक पहुँच गई है। अमेरिका में कारोबार होने वाले क्रूड ऑयल की कीमत में 2.3% की बढ़त देखी गई, जिससे यह 97 डॉलर के स्तर पर पहुँच गया है।

तनाव की मुख्य वजह : तेल की कीमतों में इस अचानक वृद्धि के पीछे होर्मुज़ स्ट्रेट का सामरिक महत्व और वहां हुई सैन्य मुठभेड़ है।

अमेरिकी कार्रवाई : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनुसार, तीन अमेरिकी डिस्ट्रॉयर्स पर ईरानी हमलों के बाद जवाबी कार्रवाई की गई, जिसमें ईरान की कई छोटी नावें तबाह कर दी गईं।

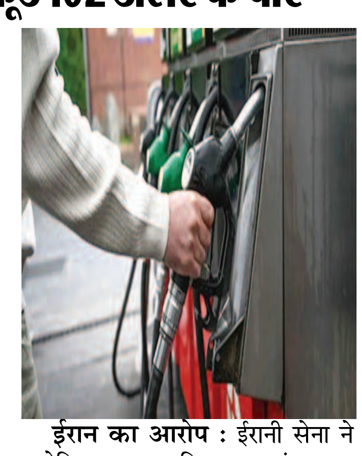

ईरान का आरोप : ईरानी सेना ने अमेरिका पर युद्धविराम उल्लंघन का आरोप लगाया है, जिससे भविष्य में बड़े युद्ध की आशंका गहरा गई है। जानकारों का मानना है कि यदि होर्मुज़ स्ट्रेट-जहां से दुनिया के कुल तेल परिवहन का बड़ा हिस्सा गुज़रता है—में तनाव और बढ़ता है, तो आने वाले दिनों में ईंधन की कीमतें और अधिक बढ़ सकती हैं। कुछ हफ़्तों से चल रहा युद्धविराम अब पूरी तरह ख़तरे में नज़र आ रहा है।

अमेरिकी सीनेट के प्रस्ताव में चीन को सबसे बड़ा खतरा बताया गया, भारत से गहरे जुड़ाव पर जोर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेटरों के दो-पार्टी समूह ने एक प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें चीन को अमेरिका का सबसे बड़ा दुश्मन और रणनीतिक प्रतिद्वंदी बताया गया है। इसके साथ ही सीनेटरों ने बीजिंग का मुकाबला करने के लिए भारत के साथ गहरे जुड़ाव और मजबूत हिंद-प्रशांत गठबंधन की मांग की गई है। सीनेटर क्रिस कून्स और कई रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक सीनेटरों द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव में कहा गया है कि चीन के पास अमेरिका और उसके सहयोगियों की सुरक्षा, आर्थिक खुशहाली और रणनीतिक हितों को कमजोर करने का इरादा और क्षमता है। इस प्रस्ताव में चीन पर न्यूक्लियर, साइबर, समुद्री और स्पेस एसेट्स सहित अपनी मिलिट्री क्षमताओं को तेजी से बढ़ाने का आरोप लगाया गया। इसमें कहा गया है कि बीजिंग हिंद-प्रशांत में

जबरदस्ती, आक्रामक और धोखेबाज गतिविधियों का इस्तेमाल कर रहा है और ताइवान स्ट्रेट में जबरदस्ती या बलपूर्वक यथास्थिति को बदलने की कोशिश कर रहा है। इस प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि चीन सैन्य तकनीक और मटीरियल साझा करके ईरान, उत्तर कोरिया और रूस सहित अमेरिका के दुश्मनों का समर्थन करता है। लॉमेकर्स ने बीजिंग पर आरोप लगाया कि वह अमेरिकी कॉम्पिटिटिवनेस को कमजोर करने और रणनीतिक क्षेत्रों पर हावी होने के लिए सरकार के समर्थन वाली आर्थिक और औद्योगिक नीति का इस्तेमाल कर रहा है। प्रस्ताव में बौद्धिक संपदा की चोरी, जबरदस्ती तकनीकी ट्रांसफर, एक्सपोर्ट कंट्रोल और मार्केट एक्सेस में रुकावटों का जिक्र किया गया। सीनेटरों ने चेतावनी दी कि चीन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी नई तकनीक में अमेरिका से आगे निकलने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि ये तकनीक 21वीं सदी की अर्थव्यवस्था और सैन्य क्षमता को परिभाषित करेंगी। प्रस्ताव में चीन को गैर-कानूनी फेंटानिल और नाइटाजीन बनाने में इस्तेमाल होने वाले प्रीकर्सर केमिकल्स के यूएस में आने से भी जोड़ा गया। नई दिल्ली में ध्यान से देखे गए एक सेक्शन में, सीनेट ने चतुर्भुजीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) के जरिए भारत के साथ अमेरिका के जुड़ाव को बढ़ाने की मांग की। क्वाड भारत, यूनाइटेड स्टेट्स, जापान और ऑस्ट्रेलिया को एक साथ लाता है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच इस ग्रुप को खास पहचान मिली है। प्रस्ताव में जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और फिलीपींस जैसे सहयोगियों के प्रति अमेरिका की प्रतिबद्धता को फिर से सुनिश्चित किया गया। इसने हिंद-प्रशांत साझेदारों के बीच मजबूत त्रिपक्षीय सहयोग का भी समर्थन किया और ताइवान स्ट्रेट में शांति और स्थिरता बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया। सीनेट के इस कदम में चीन के खिलाफ मजबूत रोकथाम, कड़े एक्सपोर्ट कंट्रोल, रणनीतिक अमेरिकी उद्योग में निवेश पर रोक और साउथ चाइना सी और ताइवान स्ट्रेट में नेविगेशन की आजादी बनाए रखने की कोशिशों की मांग की गई।

ओपनएआई केस की सुनवाई के दौरान जज ने एलन मस्क को लगाई फटकार

वाशिंगटन, एजेंसी। ओपनएआई मुकदमे में अदालत ने दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क को कड़ी फटकार लगाई। सुनवाई के दौरान मस्क ने खुद कानूनी दलील देने की कोशिश की। इस पर कैलिफोर्निया की संघीय अदालत की जज इवॉन गोंजालेज रोजर्स ने कहा कि यहां उनकी नहीं, कोर्ट की चलेगी। जज ने सख्त लहजे में कहा कि अदालत की कार्यवाही ऐसे नहीं चलती। सबको याद रहे कि आप वकील नहीं हैं।

बीबीसी के अनुसार, ओपनएआई के सह-संस्थापक एलन मस्क ने कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सैम ऑल्टमैन और अध्यक्ष ग्रेग ब्रॉकमैन पर चैरिटेबल ट्रस्ट के उल्लंघन और अनुचित आर्थिक लाभ हासिल करने का आरोप लगाया है। ओपनएआई का दावा है कि मस्क यह लड़ाई अपनी एआई कंपनी एक्सएआई को फायदा

पहुंचाने के लिए लड़ रहे हैं। मस्क ने बाद में माना कि जज की बात सही है।

सोशल मीडिया पोस्ट पर भी सख्ती : जज रोजर्स ने कोर्ट के भीतर ही नहीं, बल्कि बाहर मस्क की गतिविधियों पर भी सख्त रुख दिखाया। उन्होंने सोशल एक्स पर टिप्पणियों को लेकर फटकार लगाई। मस्क ने एक्स पर ऑल्टमैन को स्कैम ऑल्टमैन कह निशाना बनाया था। जज ने कहा कि मुकदमे की सुनवाई निष्पक्ष तरीके से चलानी है, तो कोर्ट के बाहर बयानबाजी बंद करनी होंगी। मस्क ने एआई की तुलना हॉलीवुड फिल्म द टर्मिनेटर से की, तो जज ने रोकते हुए कहा, अपनी बात कह चुके हैं, अब बस। इसे जज रोजर्स की उस शैली का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें वह मुकदमे को भावनात्मक या काल्पनिक बहसों से हटाकर केवल कानूनी तथ्यों तक सीमित रखना चाहती हैं। रोजर्स उन जजों में गिनी जाती हैं जिन्होंने तकनीकी कंपनियों से जुड़े कई बड़े और जटिल मामलों की सुनवाई की है। मुकदमे में नौ सदस्यीय जूरी मौजूद है, लेकिन अंतिम फैसला जज रोजर्स को ही लेना है।

दक्षिण कोरिया-अमेरिका रक्षा वार्ता अगले सप्ताह : वाशिंगटन , एजेंसी। दक्षिण कोरिया और अमेरिका अगले हफ्ते वाशिंगटन में अपनी उच्च स्तरीय रक्षा वार्ता करेंगे। सोल के रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि इस बैठक में 'युद्धकालीन ऑपरेशनल कंट्रोल' (ओपीकॉन) यानी सेना की कमान अमेरिका से दक्षिण कोरिया को सौंपने और उत्तर-कोरिया सीमा के पास स्थित असैन्य क्षेत्र तक नागरिकों की पहुंच को नियंत्रित करने जैसे मुद्दे सबसे अहम रह सकते हैं। मंत्रालय ने बताया कि हर दो साल में होने वाली कोरिया-अमेरिका एकीकृत रक्षा वार्ता (केआईडीडी) मंगलवार से बुधवार (अमेरिकी समय के अनुसार) तक चलेगी। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इस वार्ता में दक्षिण कोरिया की तरफ से रक्षा नीति के उपमंत्री किम होंग-चोल और अमेरिका की तरफ से इंडो-पैसिफिक सुरक्षा मामलों के सहायक रक्षा सचिव जॉन नोह नेतृत्व करेंगे। जिनमें युद्धकालीन ओपीकॉन ट्रांसफर और संयुक्त रक्षा व्यवस्था शामिल है, ताकि दोनों देशों का गठबंधन भविष्य में और मजबूत और दोनों के लिए फायदेमंद बन सके।' यह वार्ता ऐसे समय हो रही है।

राष्ट्रपति ट्रंप को बड़ा झटका, अमेरिका की फेडरल कोर्ट ने ग्लोबल टैरिफ की घोषणा को किया रद्द

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की फेडरल ट्रेड कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप के ग्लोबल टैरिफ की घोषणा को गैरकानूनी करार देते हुए उसे रद्द करने का फैसला सुनाया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 10 प्रतिशथ ग्लोबल टैरिफ की घोषणा की थी। अपने फैसले में कोर्ट ने कहा कि अमेरिकी प्रशासन ने 1974 के एक व्यापार कानून के तहत अपनी अधिकार सीमा का उल्लंघन किया है। 2-1 के बहुमत वाले फैसले में, अमेरिका की फेडरल कोर्ट ने कहा कि ट्रंप प्रशासन 1974 के 'व्यापार अधिनियम' की धारा 122 का इस्तेमाल व्यापक व्यापार और चालू खाते के घाटे को आधार बनाकर टैरिफ लगाने के लिए नहीं कर सकता। कोर्ट ने फैसला सुनाया कि यह कानून 1970 के दशक में मौजूद अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली से जुड़े विशेष 'भुगतान-संतुलन' संकटों से निपटने के लिए बनाया गया था, न कि आधुनिक व्यापार घाटे के लिए।

जज मार्क ए. बार्नेट और क्लेयर आर. केली ने अपने फैसले में कहा कि ट्रंप की घोषणा यह साबित करने में विफल रही कि कानून के जरिए आवश्यक शर्तें पूरी हुई हैं। बता दें कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फरवरी में ये टैरिफ लगाए थे।

इसी साल की शुरुआत में भी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप की पिछली टैरिफ व्यवस्था को रद्द कर दिया था। नए टैरिफ की घोषणा धारा 122 के तहत की गई थी, जो 150 दिनों के लिए 15 प्रतिशत

तक का अस्थायी आयात अधिभार लगाने की अनुमति देती है।

अदालत ने कहा कि प्रशासन ने 'भुगतान-संतुलन घाटे' की बजाय चालू खाते के घाटे और व्यापार घाटे का हवाला दिया, जबकि 1974 में कांग्रेस का उद्देश्य सीमित परिस्थितियों में ही इस प्रावधान का उपयोग करना था। जजों ने चेतावनी दी कि इस तरह की व्यापक व्याख्या को स्वीकार करने से राष्ट्रपति को प्रभावी रूप से असीमित टैरिफ लगाने का अधिकार मिल जाएगा।

जज टिमोथी स्टैंसियू ने राष्ट्रपति ट्रंप की घोषणा के समर्थन में खड़े थे। उन्होंने तर्क दिया कि कोर्ट को राष्ट्रपति के आर्थिक निर्णयों पर सवाल नहीं उठाना चाहिए और न ही यह संकीर्ण रूप से परिभाषित करना चाहिए कि भुगतान-संतुलन घाटे को कैसे मापा जाता है।

फिलहाल, कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ संयुक्त राज्य अमेरिका की फेडरल सर्किट अपीलीय कोर्ट में अपील की जा सकती है और मामला आखिरकार फिर से सुप्रीम कोर्ट पहुंच सकता है।

होर्मुज़ स्ट्रेट में भारी तनाव : अमेरिका ने ईरान पर की बमबारी, ट्रंप बोले- उन्हें समझौते की ज़रूरत हमसे ज़्यादा

वाशिंगटन/तेहरान, एजेंसी। होर्मुज़ स्ट्रेट में एक बार फिर युद्ध जैसे हालात बन गए हैं। अमेरिका ने दावा किया है कि उसने ईरान के सैन्य ठेकानों पर भीषण बमबारी की है। यह कार्रवाई अमेरिकी नौसेना के जहाजों पर हुए कथित ईरानी हमलों के जवाब में की गई है। इस सैन्य टकराव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा है कि समझौते पर हस्ताक्षर न करने की स्थिति में उन्हें 'भारी कीमत' चुकानी होगी। यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड के अनुसार, अमेरिकी नौसेना के गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर जब होर्मुज़ स्ट्रेट से गुजर रहे थे, तब ईरानी बलों ने मिसाइलों, ड्रोन और छोटी नौकाओं से उन पर हमला कर दिया। अमेरिका का कहना है कि उसने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई करते हुए इन हमलों को नाकाम किया और दुश्मन को 'बुरी तरह तबाह' कर दिया। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि ईरानी ड्रोनों को हवा में ही जला दिया गया और उनकी कई नौकाएं नष्ट कर दी गईं।

ईरान का पलटवार : 'अमेरिका ने तोड़ा सीज़फ़ायर' : दूसरी ओर, ईरान ने अमेरिका पर ही युद्धविराम के उल्लंघन का आरोप लगाया है। ईरान की सरकारी मीडिया के मुताबिक, अमेरिका ने पहले उनके एक तेल टैंकर पर हमला किया था, जिसके जवाब में ईरानी सेना ने कार्रवाई की। ईरान ने दावा किया है कि उनके 'तीव्र विस्फोटक वारहेड्स' वाले हमलों से अमेरिकी जहाजों को भारी

नुकसान पहुँचा है और वे इलाक़े से भागने पर मजबूर हो गए।

ट्रंप की चेतावनी और परमाणु मुद्दा : राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में स्पष्ट किया कि वह किसी भी हाल में ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे। उन्होंने कहा 'बातचीत चल रही है, लेकिन ईरान को यह समझना होगा कि उन्हें इस समझौते की ज़रूरत अमेरिका से ज़्यादा है। अगर वे दस्तखत नहीं करते, तो अंजाम बुरा होगा। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि झड़पों के बावजूद सीज़फ़ायर अभी प्रभावी है, लेकिन समुद्री नाकेबंदी जारी रहेगी ताकि ईरान के तेल निर्यात से होने वाले मुनाफ़े को सीमित किया जा सके।

क्या है मौजूदा स्थिति : क्षेत्र में तनाव चरम पर है। सोमवार को ही ट्रंप ने 'प्रोजेक्ट फ़्रीडम' (समुद्री मार्गों को खुला रखने की पहल) को अस्थायी रूप से रोकने का एलान किया था, लेकिन ताज़ा हमलों ने शांति वार्ता पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। फिलहाल, अमेरिका ने कहा है कि वह तनाव बढ़ाना नहीं चाहता, लेकिन अपनी सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैनात है।

क्या शादी कर रही हैं हुमा कुरैशी?

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी और रचित सिंह की शादी की चर्चा काफी समय से हो रही है। ताजा जानकारी के अनुसार सगाई के बाद अब दोनों जल्द ही शादी करने वाले हैं। दोनों के बीच रिश्ते की अफवाहें काफी समय से चल रही थीं। वे कई बार सार्वजनिक जगहों पर साथ दिख चुके हैं।

कब करेंगे हुमा और रचित शादी?

एक खबर के अनुसार, हुमा और रचित दोनों ने सितंबर 2025 में अमेरिका में निजी समारोह में सगाई कर ली थी। ताजा जानकारी के अनुसार, वे इसी साल अक्तूबर के आखिर या फिर नवंबर में शादी कर सकते हैं। शादी की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं, हालांकि, दोनों की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

कौन होगा शादी में शामिल?

हुमा और रचित की शादी निजी तरीके से होगी, जिसमें सिर्फ परिवार के अलावा करीबी सदस्य और दोस्त ही शामिल होंगे। इसके बाद मुंबई में फिल्म जगत के लोगों के लिए एक भव्य रिसेप्शन का आयोजन किया जाएगा।

रचित सिंह ने हाल ही में आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'थामा' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। हुमा ने इंस्टाग्राम पर रचित की तारीफ करते हुए लिखा था कि वह बनारस से मुंबई खाली हाथ आए थे। उन्होंने एक्टिंग कोच बनकर बहुत मेहनत की और आज उनकी मेहनत रंग ला रही है। हुमा ने कहा कि 'थामा' रचित की लगन और मेहनत का प्रमाण है और आगे उनके लिए और भी बड़ी फिल्में आने वाली हैं।

'टॉक्सिक' में नजर आएंगी हुमा कुरैशी

हुमा को आखिरी बार फिल्म 'सिंगल सलमा' में देखा गया था। हुमा की अगली फिल्म 'टॉक्सिक' है। 'टॉक्सिक' का निर्देशन गीतु मोहनदास ने किया है। 'टॉक्सिक' में यश मुख्य भूमिका में हैं। हुमा के अलावा 'टॉक्सिक' में नयनतारा और कियारा आडवाणी भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म 'टॉक्सिक' इस साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

तब्बू ने दी फिल्म 'किंग 100' पर बड़ी जानकारी

अभिनेत्री तब्बू जल्द नई फिल्म 'किंग 100' मे नजर आएंगी। हाल ही में अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए फिल्म के पहले शेड्यूल के खत्म होने की बीटीएस तस्वीरें शेयर कीं। जिसमें एक्ट्रेस अपने क्रू मेंबर्स के साथ मस्ती करती दिख रही हैं।

क्रू मेंबर्स के साथ खिंचवाई सेल्फी

तब्बू इन दिनों आगामी फिल्म 'किंग 100' को लेकर व्यस्त हैं। इंस्टाग्राम पर उन्होंने कुछ फोटोज शेयर किए हैं जिनमें वह अपनी फिल्म के क्रू के साथ दिखाई दे रही हैं। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने अपनी फिल्म की शूटिंग की जानकारी भी दी। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'शेड्यूल 1 का अंत'। यह इस बात का संकेत है कि फिल्म का पहला शेड्यूल पूरा हो चुका है।

तब्बू और नागार्जुन फिर आएंगे साथ

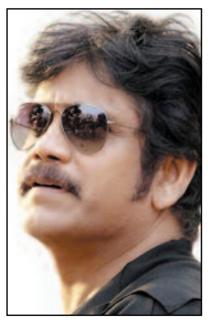

आगामी फिल्म 'किंग 100'से तब्बू साउथ अभिनेता नागार्जुन के साथ लगभग 30 साल बाद नजर आएंगी। आखिरी बार एक्ट्रेस नागार्जुन के साथ साल 1996 में आई रोमांटिक फिल्म 'निन्ने पेल्लादाता' में काम किया था। बीते दिनों तब्बू ने सोशल मीडिया पर अपनी फिल्म की जानकारी दी थी। हालांकि फिल्म की कहानी और बाकी कास्ट से जुड़ी कोई जानकारी अभी तक साझा नहीं की गई।

तब्बू और नागार्जुन का वर्कफ्रंट

तब्बू ने हाल ही में रिलीज हुई हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' में अभिनय किया। फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। फिल्म में अक्षय कुमार परेश रावल, राजपाल यादव और वामिका गब्बी ने भी अहम भूमिकाएं निभाई हैं। 'भूत बंगला' को दर्शकों ने काफी पसंद किया।

वहीं साउथ सुपरस्टार नागार्जुन को आखिरी बार रजनीकांत की तमिल एक्शन फिल्म 'कुली' में देखा गया था। फिल्म 2025 में रिलीज हुई थी। जबकि नागार्जुन की आखिरी हिंदी फिल्म निर्देशक अयान मुखर्जी की 'ब्रह्मास्त्र: पार्ट वन - शिवा' है, जो 2022 में रिलीज हुई थी।

आठ घंटे शिफ्ट की बहस के बीच दीपिका ने लंबे समय तक काम करने को सही ठहराया

इंडस्ट्री में बीते कुछ समय से आठ घंटे शिफ्ट का मुद्दा गरमाया हुआ है। इसकी शुरुआत तब हुई, जब दीपिका पादुकोण ने फिल्म 'स्पिरिट' के मेकर्स के सामने कथित तौर पर आठ घंटे की वर्किंग शिफ्ट की शर्त रखी। सहमति नहीं बनने पर दीपिका ने फिल्म छोड़ दी। तब से तमाम हीरो-हीरोइन इस विषय पर बात कर चुके हैं और अपने-अपने मत दे चुके हैं। आठ घंटे की शिफ्ट की बहस के बीच हाल ही में चर्चित टीवी एक्ट्रेस दीपिका सिंह लंबे काम के घंटों को सही ठहराती दिखीं।

अभिनेत्री दीपिका सिंह हाल ही में एक इवेंट में शामिल हुईं, जहां उन्होंने पैपराजी से बात करते हुए लंबे घंटों तक काम करने की अपनी आदत पर बात की। दीपिका ने कहा, 'मैंने जब इंडस्ट्री जॉइन की तब मैं 24 साल की थी। अब मैं जितना काम करूं, उतना कम लगता है'। उन्होंने आगे कहा, 'मैं 12 घंटे काम करती हूं। अगर मुझे लगता है कि सीन बचे हैं तो 13 से 14 घंटे भी काम करती हूं'।

यह क्रिएटिव फील्ड है यहां टाइम लगता है

दीपिका सिंह ने बताया, 'मुझे काम का इतना जुनून है कि मुझे उसमें टाइम की चीजें नजर नहीं आतीं। मुझे लगता है कि कम घंटे देंगे तो क्वालिटी कम हो जाएगी। डायरेक्टर को टाइम नहीं मिलेगा, सीन को उस तरह शूट करने के लिए'। एक्ट्रेस से जब पूछा गया कि लोगों की शिकायत होती है कि 12-12 घंटे काम होता है, इस पर क्या कहेंगी? तब दीपिका ने कहा, 'जब फैमिली को टाइम देना होता है, तो परेशानी होती है। लेकिन, यह समझना होगा कि यह क्रिएटिव फील्ड है, इसमें टाइम लगता ही है। हमारे साथ क्या है कि जब काम होता है तो बहुत होता है। नहीं होता तो बिल्कुल नहीं होता'।

दीपिका ने बताया, 'जब कभी मुझे लगता है कि काम ज्यादा हो रहा है तो मैं अपना पहला दिन याद करती हूं कि मैं ट्रेन से आई थी और अब फ्लाइट से जाती हूं। यही सोच लेती हूं कि अभी तो बहुत कुछ पाना है। अभी से हार जाऊंगी तो आगे क्या करूंगी'।

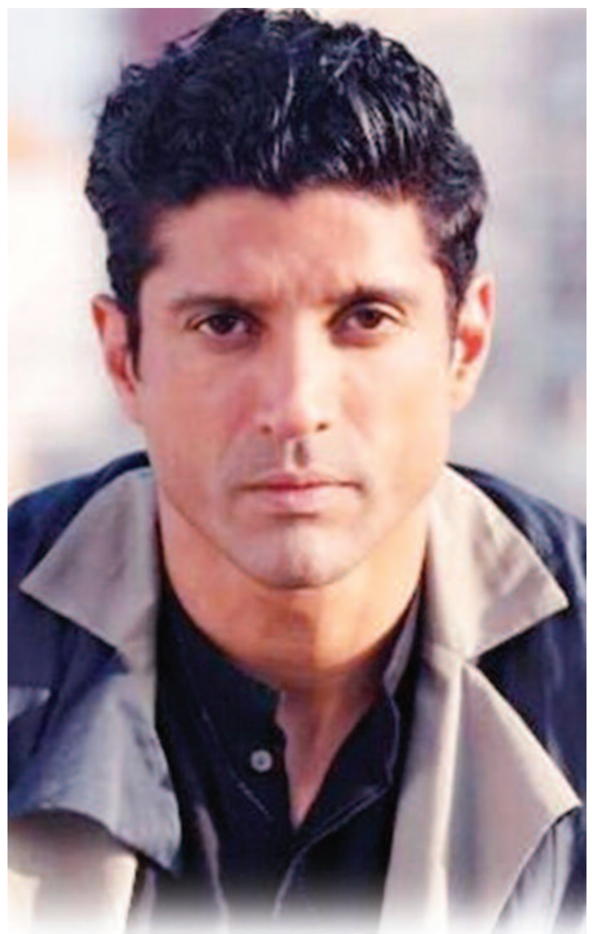

मेरे लिए महत्वपूर्ण फिल्म है 'डॉन 3'

निर्माता-निर्देशक व अभिनेता फरहान अख्तर की 'डॉन 3' पिछले काफी वक्त से लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फरहान अख्तर के निर्देशन में बनने वाली 'डॉन 3' अपनी कास्टिंग को लेकर विवाद में फंस गई है। फिल्म में पहले रणवीर सिंह के लिए जाने और बाद में उनके फिल्म से बाहर होने के चलते, अब फरहान के प्रोडक्शन हाउस ने रणवीर पर हर्जाना देने का दावा किया है। मामला प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया तक भी पहुंच चुका है।

हालांकि, इस सबके बावजूद फरहान अख्तर का कहना है कि फिल्म बंद नहीं हुई है और ये ऐसी कहानी है, जिसे वो जरूर बनाना चाहते हैं। फरहान इस पूरे विवाद के दौरान सीख मिलने की भी बात कही। बातचीत में फरहान अख्तर ने स्वीकार किया कि पिछले कुछ साल खासतौर पर चुनौतीपूर्ण रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब उन्होंने अप्रत्याशित की उम्मीद करना सीख लिया है। जब तक फिल्म बन न जाए, तब तक किसी भी बात को निश्चित नहीं माना जा सकता। 'डॉन 3' को एक महत्वपूर्ण फिल्म बताते हुए फरहान ने कहा कि फिल्म को बंद नहीं किया जाएगा। यह उन शानदार कहानियों में से एक है, जिसे मैं अब पर्दे पर उतारना चाहता हूं। यह मेरे लिए एक महत्वपूर्ण फिल्म है।

ऋतिक को फिल्म में लेना चाहते थे मेकर्स

खबरों के अनुसार, रणवीर सिंह ने दावा किया कि उन्होंने स्क्रिप्ट से संतुष्ट न होने के कारण प्रोजेक्ट छोड़ा। उनकी ओर से बाद में ये भी आरोप लगाया गया कि फरहान अख्तर ऋतिक रोशन को फिल्म में लेना चाहते थे, लेकिन धुरंधर की सफलता ने उनका इरादा बदल दिया।

हालांकि, ऋतिक रोशन इन दावों को खारिज कर चुके हैं। उनका कहना है कि उन्हें कभी भी 'डॉन 3' के लिए संपर्क ही नहीं किया गया।

रणवीर के अचानक फिल्म छोड़ने पर हुआ विवाद

साल 2023 में फरहान अख्तर ने 'डॉन 3' की घोषणा की थी। जिसमें इस बार शाहरुख खान की जगह रणवीर सिंह लीड एक्टर के तौर पर शामिल हुए थे। रणवीर को फिल्म में लेने पर फरहान ने इसे एक नए युग की शुरुआत बताया था। लेकिन फिल्म को लेकर विवाद तब शुरू हुआ, जब रणवीर सिंह ने फिल्म छोड़ दी। फरहान अख्तर के प्रोडक्शन बैनर एक्सेल एंटरटेनमेंट ने कथित तौर पर प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया से संपर्क किया है और दावा किया कि रणवीर के अंतिम समय में फिल्म छोड़ने से लगभग 40 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। मेकर्स ने रणवीर से हर्जाने की मांग भी की है।

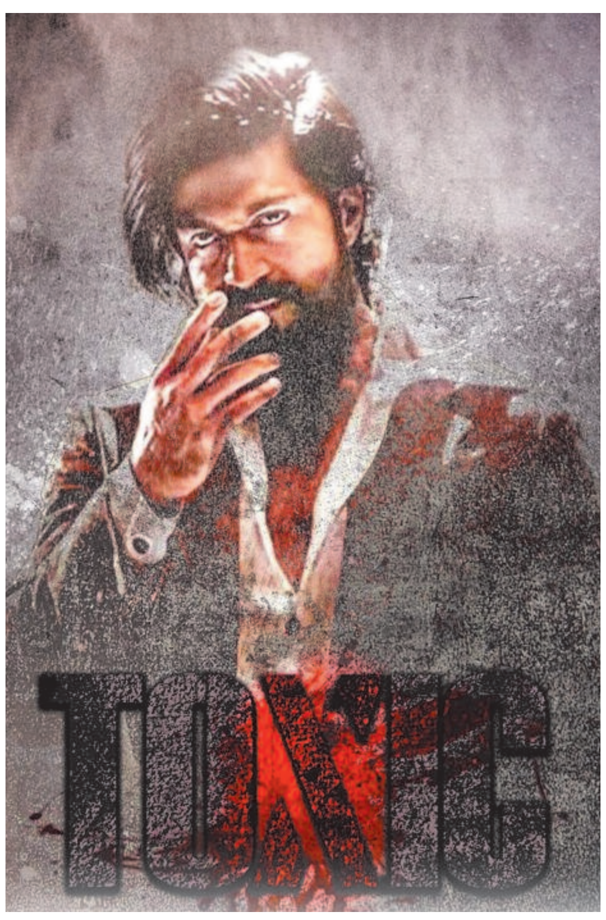

इन अपकमिंग फिल्मों में कलाकार निभाएंगे डबल रोल

भारतीय सिनेमा में डबल रोल खूब पसंद किया जाने वाला फॉर्मूला है। 'जुड़वा' (1997) में सलमान खान के डबल रोल को खूब पसंद किया गया। 'जवान' (2023) में भी शाहरुख खान के डबल रोल को काफी सराहना मिली। हाल ही में अक्षय कुमार और वामिका गब्बी ने फिल्म 'भूत बंगला' में डबल रोल किया है जिसे दर्शक पसंद कर रहे हैं। इस खबर में हम आपको बताने वाले हैं कि वह कौन सी अपकमिंग फिल्में हैं, जिनमें कलाकार डबल रोल करने वाले हैं।

टॉक्सिक

4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार यश की फिल्म 'टॉक्सिक' का टीजर रिलीज हो गया है। इसमें एक्टर दो अलग-अलग लुक्स में नजर आए हैं। वह एक पिता और उसके हमशक्ल बेटे का डबल रोल निभा रहे हैं। 'राया' नाम का एक किरदार ज्यादा उम्रदराज लगता है। जबकि दूसरे, कम उम्र वाले किरदार को 'टिकट' कहा गया है। इसमें कियारा आडवाणी, नयनतारा, तारा सुतारिया और हुमा कुरैशी भी नजर आएंगी।

शक्ति शालिनी

मोहित सूरी की फिल्म 'सैयारा' से स्टार बनने वाली एक्ट्रेस अनीत पड्डा अब 'शक्ति शालिनी' में मुख्य भूमिका निभाएंगी। चर्चा है कि यह फिल्म अच्छाई और बुराई के बीच की लड़ाई पर आधारित

होगी। इसमें अनीत दो किरदार निभा रही हैं, एक शक्तिशाली रक्षक 'शक्ति' और दूसरी बदला लेने वाली आत्मा 'शालिनी'। इसमें एक्टर विशाल जेठवा भी नजर आएंगे। यह फिल्म इसी साल दिसंबर में रिलीज हो सकती है।

रामायण और रामायण 2

हाल ही में रणबीर कपूर ने बताया कि वह 'रामायण' में डबल रोल निभाते नजर आएंगे। वह भगवान राम और भगवान परशुराम, दोनों का किरदार निभाएंगे। इस फिल्म में साई पल्लवी सीता के किरदार में और यश रावण के किरदार में नजर आएंगे। यह फिल्म दो हिस्सों में रिलीज होगी। 'रामायण' पार्ट 1 दिवाली 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। वहीं 'रामायण' पार्ट 2 अगले साल दिवाली 2027 को रिलीज होगी।

एनिमल पार्क

फिल्म 'एनिमल' (2023) में रणबीर कपूर ने रणविजय का किरदार निभाया था। फिल्म के आखिर में, अजीज हक नाम का एक और किरदार नजर आया था। इसने रणविजय जैसा दिखने के लिए प्लास्टिक सर्जरी करवाई थी। फिल्म के सीक्वल 'एनिमल पार्क' में रणबीर, रणविजय और अजीज, दोनों का डबल रोल निभाएंगे। रश्मिका मंदाना और तृप्ति डिमरी भी इस फिल्म में नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग 2027 में शुरू होने वाली है।

कल्कि 2898 AD पार्ट 2

'कल्कि 2898 AD (2024) के क्लाइमेक्स में खुलासा हुआ था कि प्रभास का किरदार भैरव, महाभारत के कर्ण का पुनर्जन्म है। फिल्म के सीक्वल 'कल्कि 2898 AD: पार्ट 2' में, प्रभास कर्ण और भैरव, दोनों किरदारों में नजर आएंगे। इसमें दीपिका पादुकोण की जगह साई पल्लवी को लिया गया है। 'कल्कि 2898 AD: पार्ट 2' के 2026 के आखिर या 2027 में रिलीज होने की उम्मीद है।

एक नजर

प्रधानमंत्री के दौरे से टिहरी को मिलेगी मेडिकल कॉलेज की सौगात : विधायक

नई टिहरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के टिहरी दौरे को लेकर भाजपाइयों में उत्साह है। प्रधानमंत्री के दौरे को ऐतिहासिक बनाने की तैयारी की जा रही है। संभवतः जून में प्रस्तावित कार्यक्रम से टिहरीवासियों को बांध विस्थापित–प्रभावितों के लिए, हनुमंत राव कमेटी की सिफारिशें लागू होने और यहां मेडिकल कॉलेज की सौगात मिलने की उम्मीद है।

पत्रकार वार्ता में टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने कहा कि टिहरी में पहली बार प्रधानमंत्री के आगमन से प्रदेश के साथ ही टिहरी–उत्तरकाशी की दशा और दिशा बदलेगी। टिहरी जल विद्युत परियोजना की एक हजार मेगावाट के पंप स्टोरेज प्लांट (पीएसपी) को राष्ट्र को समर्पित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अगले माह टिहरी दौरा प्रस्तावित है। विधायक ने कहा कि पीएम के समक्ष टिहरी विधानसभा को ओबीसी में शामिल करने, टिहरी बांध की रॉयल्टी का 50 प्रतिशत बांध प्रभावित क्षेत्र में खर्च करने और कोटीकॉलोनी में एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का बहुउद्देशीय स्टेडियम बनाने की मांग भी रखेंगे। प्रधानमंत्री जनता की भावनाओं को समझते हैं जिससे वह निश्चित ही हमारी समस्याओं का समाधान करेंगे। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष उदय रावत, पूर्व अध्यक्ष विनोद रतूड़ी, महामंत्री बलवंत रावत, राजेंद्र डोभाल, विजय कठैत, जिला पंचायत सदस्य दर्शनी रावत और रामलाल नौटियाल आदि मौजूद थे।

प्रवेश प्रक्रिया के लिए गांव–गांव किया जनसंपर्क

चमोली। राजकीय महाविद्यालय नन्दासैंण के शिक्षकों ने बीए प्रथम वर्ष (सेमेस्टर) प्रवेश प्रक्रिया के लिए गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया। उन्होंने छात्रों और अभिभावकों को उच्च शिक्षा के महत्व तथा महाविद्यालय की सुविधाओं की जानकारी दी। प्रभारी प्राचार्य अमर चंद विश्वकर्मा ने बताया कि महाविद्यालय में मूलभूत सुविधाएं हैं और शिक्षण को प्रभावी बनाने के प्रयास जारी हैं। इससे दूरस्थ गांवों के छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए बाहर नहीं जाना पड़ रहा है। प्रवेश संयोजक जय प्रकाश आर्य ने कहा कि अधिक छात्रों को उच्च शिक्षा से जोड़ने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। शिक्षकों की टीम अभिभावकों से संवाद कर छात्रों को प्रवेश के लिए प्रेरित कर रही है।

यह अभियान शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और बेहतर अवसर देने के उद्देश्य से है। महाविद्यालय छात्रों के लिए अनुकूल शैक्षणिक वातावरण और सहशैक्षणिक गतिविधियों पर भी ध्यान देता है। इस अभियान में डॉ. नीटू दत्त नौटियाल, ऋतु सिंह, सूरज कुमार और पूनम नेगी ने भी भाग लिया।

अभिषेक नेगी का किया भव्य स्वागत

श्रीनगर गढ़वाल : देवप्रयाग विकासखंड के ग्राम सभा डोभ चंद्रबदनी के छोटे से गांव ललूड़ी निवासी अभिषेक नेगी ने खेल जगत में अपनी मेहनत और जुनून से नई पहचान बनाई है। हाल ही में भारत के सबसे बड़े मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) आयोजन मैट्रिक्स फाइट नाइट-18 (एमएफएन 18) में अभिषेक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। यह उनकी लगातार दूसरी बड़ी जीत है। इससे पहले भी उन्होंने एमएफएन-17 में जीत दर्ज कर क्षेत्र का नाम रोशन किया था। अभिषेक नेगी की इस उपलब्धि के बाद जब वे अपने पैतृक गांव ललूड़ी पहुंचे तो ग्रामीणों ने फूल-मालाओं और पारंपरिक वाद्य यंत्र ढोल-दमाऊं की थाप के साथ उनका जोरदार स्वागत किया।

पांच वर्षों की कठिन मेहनत के बाद मिली इस सफलता ने न केवल अभिषेक के परिवार बल्कि पूरे डोभ चंद्रबदनी क्षेत्र का नाम रोशन किया है। स्थानीय लोगों ने कहा कि अभिषेक की यह उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगी। इस अवसर पर ग्राम प्रधान पूजा देवी, यशवंत सिंह नेगी, देवेंद्र सिंह नेगी, धर्मेंद्र सिंह नेगी, राजेंद्र राणा, कमल सिंह, महावीर रतूड़ी और अजीत सिंह रावत आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

जनता में विश्वास मजबूत करने को जनता के बीच पैठ बनाएं कार्यकर्ता

चमोली। कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा ने कार्यकर्ताओं को आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पूरी तरह से तैयार रहने को कहा। कार्यकर्ताओं से अपील की कि जनता में विश्वास मजबूत करने के लिए जनता के बीच पैठ बनाएं। भाजपा से जनता उम्मीद खो चुकी है इसलिए जनता अब कांग्रेस की सरकार बनाने का मन बना चुकी है।

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा गोपेश्वर बस स्टेशन पर स्थित एक होटल में आयोजित कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचीं। उन्होंने सभी को एक साथ चलने, हर छोटे से छोटे कार्यकर्ता को साथ लेकर आगे बढ़ने का आह्वान किया। कहा कि सभी मिलकर 2027 में जीत दर्ज करेंगे, हमारे कार्यकर्ता जमीन पर भाजपा और उसकी गलत नीतियों का पर्दाफाश करेंगे। जनता देश व प्रदेश की मजबूती के लिए कांग्रेस सरकार बनाने का मन बनाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा मशीनरी का दुरुपयोग कर लोकतंत्र को कुचलने का काम करती है लेकिन अब ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। जनता भी इनकी नब्ज जान चुकी है। रोजगार, महंगाई, कानून व्यवस्था, महिला सुरक्षा हर मुद्दे पर भाजपा सरकार फेल हुई है। जनता खुद को असुरक्षित महसूस करने लग गई है। कार्यकर्ता सम्मेलन में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हरक सिंह रावत, चुनाव संचालन समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह, बदरीनाथ विधायक लखपत बुटोला सहित अन्य पार्टी पदाधिकारियों ने भी विचार रखे।

जीबीपीआईईटी व जड़ी बूटी संस्थान मिलकर करेंगे शोध व विकास कार्य

चमोली। शोध और विकास कार्यों को बढ़ावा देने के लिए जड़ी बूटी शोध संस्थान मंडल और जीबीपंत इंजीनियरिंग कॉलेज घुड़दौड़ी पौड़ी के बीच एमओयू हुआ है। अब दोनों संस्थान शोध और विकास से संबंधित कार्य मिलकर करेंगे ताकि उसे और अधिक विस्तार दिया जा सके। शनिवार को दोनों संस्थानों के बीच एमओयू साइन किया गया। जड़ी बूटी शोध संस्थान मंडल गोपेश्वर के निदेशक व सीडीओ डॉ. अभिषेक त्रिपाठी व जीबीपीआईईटी पौड़ी के निदेशक व डीन रिसर्च एंड डेवलपमेंट पौड़ी डॉ. ममता बौंठियाल ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इसमें इंजीनियरिंग कॉलेज के डॉ. केएस भाटिया और शोध संस्थान मंडल के नामिल नोडल अधिकारी वैज्ञानिक डॉ. अरविंद भंडारी मौजूद रहे। इस एमओयू के तहत बायोटेक्नोलॉजी में शोध, विकास, पर्यावरण बदला, औषधि डेवलपमेंट, उत्पाद विकास (मेडिशन प्लांट), उद्यमिता, क्षमता विकास, प्रशिक्षण, संवाद आदि क्षेत्र में संयुक्त रूप से कार्य किया जाएगा। शोध और विकास कार्यों में रोजगार व नवीन तकनीकी को बढ़ावा दिया जाएगा। विभागों के साथ फील्ड स्तर पर ट्रायल किया जाएगा, ताकि शोध कार्यों को और बेहतर ढंग से किया जा सके।

पूर्व सैनिकों के लिए निःशुल्क कैंसर जांच एवं उपचार शिविर का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : पूर्व सैनिकों के स्वास्थ्य और कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, गढ़वाल क्षेत्र के पूर्व सैनिकों के लिए एक विशेष निःशुल्क कैंसर जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी, विशिष्ट सेवा मेडल, कमांडेंट, गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर मैरेंगो एशिया हॉस्पिटल्स, गुरुग्राम और ईसीएचएस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है।इस शिविर का संचालन राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित प्रख्यात कैंसर विशेषज्ञ, ब्रिगेडियर (डॉ.) ए. के. धर, वीएसएम द्वारा किया जा रहा है, जो क्षेत्र के अनुभवी सैनिकों को विशेषज्ञ परामर्श प्रदान कर रहे हैं। कोटद्वार ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक में शिविर का सफल समापन शनिवार को ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक,

कोटद्वार में शिविर का पहला चरण सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। शिविर में 10 कैंसर रोगियों की जांच की गई और उन्हें भविष्य के उपचार के लिए विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस दौरान ईसीएचएस के समस्त स्टाफ को कैंसर की शुरुआती पहचान, स्क्रीनिंग और मरीजों को सही समय पर रेफर करने की प्रक्रियाओं के प्रति संवेदनशील और प्रशिक्षित किया गया। कैंसर के खिलाफ लड़ाई में शुरुआती पहचान ही सबसे प्रभावी हथियार है। मैरेंगो एशिया हॉस्पिटल्स और जीआरआरसी के इस साझा प्रयास का उद्देश्य गढ़वाल के दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले हमारे वीरों को उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इस शिविर के माध्यम से पूर्व सैनिकों को न केवल परामर्श मिलेगा, बल्कि आगे के प्रबंधन के लिए एक स्पष्ट दिशा भी प्रदान की जाएगी।

आज लैंसडौन में लगेगा शिविर

यह अभियान रविवार को लैंसडौन में जारी रहेगा। सभी पूर्व सैनिक (चाहे वे पुराने मरीज हों या जिनमें कैंसर के लक्षण संदिग्ध हों) इस शिविर का लाभ उठा सकते हैं। शिविर में मिलिट्री हॉस्पिटल लैंसडौन में लगेगा। प्रातः 10 बजे कैंसर जागरूकता व्याख्यान (कैंसर से बचाव और शीघ्र पहचान पर जानकारी, पूर्वाह्न 11 बजे से दोपहर 02 बजे तक ओपीडी परामर्श और विशेषज्ञों द्वारा जांच की जायेगी।

रंगारंग सास्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

श्रीनगर गढ़वाल : एंजल्स हेवन स्कूल खंदूखाल में मातृ दिवस हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना एवं स्वागतगीत से की। इसके बाद बच्चों ने माताओं को समर्पित हिंदी और अंग्रेजी कविताएं, गीत व रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। इस दौरान विद्यार्थियों ने अपनी माताओं को अपने हाथों से बनाए गए आकर्षक कार्ड भेंट किए। विद्यालय में आयोजित इंटर हाउस निबंध प्रतियोगिता में मंदाकिनी हाउस ने प्रथम, अलकनंदा हाउस ने द्वितीय तथा भागीरथी हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय की प्रधानाचार्य ने सभी अतिथियों, अभिभावकों और विद्यार्थियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों में संस्कार, आत्मविश्वास और अपनी संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने में सहायक होते हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि देवेंद्र गौड़, अमृता, सीमा व जयकृष्ण पैन्यूली आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

राज्य राजमार्ग पर नौ दिन से ठप हॉटमिक्स कार्य

चमोली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के चलते कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होने से बिटुमेन (डामर) की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हुई है। इसका असर थराली–देवाल–लोहाजंग–वाण राज्य राजमार्ग पर चल रहे हॉटमिक्स कार्य पर पड़ा है, जो पिछले नौ दिनों से बंद है। श्रीनंदा राजजात मोटर मार्ग के हॉटमिक्स और सुधारीकरण के लिए 32 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं। लोक निर्माण विभाग द्वारा 22 किलोमीटर मार्ग पर हॉटमिक्स किया जाना है, लेकिन अब तक केवल 3100 मीटर कार्य ही पूरा हो पाया है। ठेकेदार ने बिटुमेन की कीमतों में करीब 40 फीसदी वृद्धि का हवाला देते हुए कार्य रोक दिया है और लोनिवि के अधिशासी अभियंता को पत्र भेजकर कीमतें कम होने के बाद काम शुरू करने की बात कही है। कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष कमल गड़िया, जिला पंचायत सदस्य उर्मिला बिष्ट, इंद्र सिंह राणा और बीडीसी सदस्य प्रदीप दानू सहित अन्य लोगों ने जिलाधिकारी से जल्द कार्य शुरू कराने की मांग की है। उन्होंने बंद पड़े कलवर्ट खोलने, पक्की नालियां बनाने और मानकों के अनुरूप हॉटमिक्स कार्य कराने की भी मांग उठाई। 22 किलोमीटर सड़क का हॉटमिक्स होना है। बिटुमेन की कीमतों में अचानक 40 फीसदी की वृद्धि के कारण ठेकेदार ने काम रोक दिया है। ठेकेदार ने इस मूल्य वृद्धि की सूचना लोनिवि कार्यालय को दी है। आबादी वाले हिस्सों में पक्की नाली और शेष भाग में कच्ची नाली बनाई जानी है। – **बबीता आर्य, सहायक अभियंता लोनिवि थराली**

वाहन की टक्कर से दिव्यांग यात्री की मौत

चमोली। बदरीनाथ की यात्रा पर आए एक दिव्यांग श्रद्धालु को वाहन ने टक्कर मार दी जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने टक्कर मारने वाले वाहन को कब्जे में ले लिया है। गोविंदघाट में पार्किंग के पास प्रतीक्षालय में दिव्यांग श्रद्धालु कृष्ण (26) पुत्र शंकर सिंह निवासी धनगढ़ी कैलाश मानसरोवर नेपाल रुका हुआ था। शनिवार सुबह करीब नौ बजे वह सड़क पार करने के दौरान एक वाहन ने उसे टक्कर मार दी। गोविंदघाट थाना प्रभारी चित्रगुप्त ने बताया कि दिव्यांग कृष्ण अपनी मां सीता देवी के साथ बदरीनाथ की यात्रा पर जा रहा था। वह जन्म से ही दिव्यांग था और भिक्षावृत्ति से गुजर बसर करता था। पुलिस ने घटना की सूचना पर उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पांडुकेश्वर भेजा जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बदरीनाथ हाईवे पर लंगासू के समीप दो कारों की टक्कर में 8 घायल

चमोली। शनिवार को बदरीनाथ हाईवे पर लंगासू के पास बेडाणू में दो कारों की आमने–सामने की टक्कर हो गई। दोनों कारों में सवार आठ लोग घायल हो गए। इनमें 7 उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के शामिल हैं। घायलों का उपचार उपजिला अस्पताल में किया जा रहा है। चिकित्सकों ने सभी घायलों की स्थिति सामान्य बताई है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार पूर्वाह्न करीब ग्यारह बजे मुरादाबाद के यात्री बदरीनाथ जा रहे थे। इस दौरान लंगासू के पास बेडाणू में चमोली की ओर से आ रही कार से भिड़ंत हो गई। इसमें योगेश (28), विजय (34), अभय प्रताप सिंह (24), सुमित (30) और अजीत (24) सभी निवासी समधी, शिवपुरी मुरादाबाद उप्र. घायल हो गए। जबकि दूसरी कार में सवार कुलदीप (62) निवासी पय्यां आदिबदरी, यशोदा (75) निवासी मौणा उमट्टा कर्णप्रयाग और सतीश (42) मज्याड़ी कांसुवा घायल हो गए। सूचना पर लंगासू चौकी पुलिस और स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे। इस दौरान चार घायलों को 108 एंबुलेंस में अस्पताल

लाया गया। जबकि अन्य तीन को क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता टीका प्रसाद मैखुरी घटनास्थल पर जाकर अपने निजी वाहन से अस्पताल लाए। मैखुरी के प्रयासों की लोगों ने सराहना की है। थानाध्यक्ष विनोद थपलियाल ने बताया कि मुरादाबाद की कार में 7 एवं दूसरी कार में 3 लोग सवार थे। अस्पताल के सीएमएस डॉ. बीपी पुरोहित ने बताया कि सभी घायलों का उपचार किया जा रहा है, और हालात सामान्य है।

ऊखीमठ के अटल उत्कृष्ट इंटर कॉलेज को मिली नई सौगात, विधायक ने किया विकास कार्यों का लोकार्पण

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : शिक्षा व्यवस्था को मजबूत और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित बनाने की दिशा में शनिवार को विकासखंड ऊखीमठ स्थित अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज ऊखीमठ में विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में केदारनाथ विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती आशा नौटियाल ने शिक्षा विभाग के अंतर्गत राज्य योजना वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंतर्गत स्वीकृत विकास कार्यों का विधिवत लोकार्पण किया।

इस अवसर पर विधायक श्रीमती आशा नौटियाल ने अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज ऊखीमठ में 4 अतिरिक्त कक्षा-कक्षों एवं चाहरदीवारी निर्माण कार्य, जिसकी कुल लागत 120.12 लाख रुपये है, का लोकार्पण किया। इसके साथ ही विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों की सुविधा हेतु शैड एवं रेनोवेशन कार्य, जिसकी लागत 73.81 लाख रुपये है, का भी लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक आशा नौटियाल ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण एवं पर्वतीय क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

विद्यालयों में आधुनिक संसाधन और बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने से छात्र-छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा और उनका भविष्य अधिक सशक्त बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर नई योजनाओं के माध्यम से विद्यालयों को विकसित करने का कार्य कर रही है। लोकार्पण कार्यक्रम में नगर पंचायत ऊखीमठ की अध्यक्ष श्रीमती कुब्जा धर्म्वाण, मुख्य शिक्षा अधिकारी अजय कुमार चैधरी, अधिशासी अभियंता ग्रामीण निर्माण विभाग मीनल गुलाटी, सहायक अभियंता सुशील कुमार तिवारी, प्रधानाचार्य विष्णु प्रसाद किमोठी, अभिभावक संघ अध्यक्ष संदीप पुष्पवाण, अपर सहायक अभियंता इं. प्रदीप सजवाण, कनिष्ठ अभियंता इं. आलोक सिंह सहित विद्यालय के शिक्षकगण, अभिभावक एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

गढ़वाल विवि और ऋषिकेश योगपीठ ने बढ़ाया एमओयू

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय और ऋषिकेश योग पीठ के बीच हुए एमओयू को अगले चार वर्षों के लिए पुनः बढ़ा दिया गया है। यह निर्णय कुलपति प्रो. श्री प्रकाश सिंह के मार्गदर्शन में लिया गया। मार्च 2021 से संचालित विस्तार केंद्र में पिछले पांच वर्षों के दौरान एक माह के योग प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कुल 465 साधकों ने भाग लिया, जिनमें 409 विदेशी और 56 भारतीय शामिल रहे। विदेशी प्रतिभागी ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, कनाडा, स्वीडन, अमेरिका और यूके सहित कई देशों से पहुंचे। इन कार्यक्रमों से योग विभाग को 17,08,600 व विश्वविद्यालय के विदेशी कार्यालय को लगभग 5,40,000 की आय प्राप्त हुई। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि इन कार्यक्रमों से भारतीय योग परंपरा और संस्कृति का देश-विदेश में व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। विस्तार केंद्र के संपर्क अधिकारी डॉ. विनोद नौटियाल और सहायक आचार्य डॉ. रजनी नौटियाल ने बताया कि समय-समय पर योग प्रशिक्षण एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों के सफल संचालन में स्कूल ऑफ एजुकेशन की डीन प्रो. सुनीता गोदियाल, विभागाध्यक्ष डॉ. अनुजा रावत, विभागीय शिक्षक-कर्मचारी, ऋषिकेश योग पीठ के सचिव दिगंबर का विशेष सहयोग रहा। (एजेंसी)

स्वास्थ्य मंत्री ने किया गरमपानी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण

नैनीताल। आज स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, गरमपानी (नैनीताल) का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सकों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति का जायजा लिया गया, जिसमें कुछ अनियमितताएं पाई गईं। निरीक्षण के दौरान एक चिकित्सक अनुपस्थित पाए गए, जिस पर गंभीर संज्ञान लेते हुए संबंधित चिकित्सक को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। साथ ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने एवं स्वास्थ्य सेवाओं में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, मरीजों को उपलब्ध सुविधाओं तथा व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया गया। स्वास्थ्य मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन को बेहतर एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

कानून व्यवस्था के साथ श्रद्धालुओं की मददगार भी बन रही पुलिस

चमोली। बदरीनाथ धाम यात्रा के दौरान पुलिस कानून व्यवस्था संभालने के साथ श्रद्धालुओं की मददगार भी साबित हो रही है। पुलिस ने अब तक करीब 22 लाख रुपये कीमत के 55 खोए मोबाइल, ढाई लाख रुपये की नगदी, दो लाख रुपये का सोने का मंगलसूत्र, कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और खोए बैग बरामद कर श्रद्धालुओं को लौटाए हैं। साथ ही भीड़ में बिछड़े 48 बच्चों और बुजुर्गों को उनके परिजनों से मिलाया गया। शनिवार को धाम में पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार और मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस जवानों को प्रशस्ति पत्र तथा पीआरडी जवानों को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। सीडीओ डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने कहा कि पुलिस और प्रशासन के बेहतर समन्वय से भारी भीड़ के बावजूद यात्रा व्यवस्था सुचारु बनी हुई है।

नारायणबगड़ के गांवों में डेढ़ माह से रसोई गैस संकट, उपभोक्ता परेशान

चमोली। पिछले डेढ़ महीने से विकासखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में रसोई गैस की नियमित आपूर्ति न होने से उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गैस एजेंसी कार्यालय में दिनभर भीड़भाड़ रहती है। नंबर न आने के कारण कई उपभोक्ताओं को बैरंग लौटना पड़ रहा है। विकासखंड के परखाल, रैंस, चोपता, भगोती, कौब, गड़कोट और किमोली जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में गैस वितरण किया जाता है। इन गांवों में मार्च के तीसरे पखवाड़े से शुरू हुआ यह संकट अभी भी बरकरार है। ग्रामीण क्षेत्र के सैकड़ों उपभोक्ताओं के पास रिफिलिंग कार्ड तक नहीं हैं। जिनके पास कार्ड हैं, उन्होंने केवाईसी नहीं की है। ऐसे में कार्ड बनाने और केवाईसी करने वाले उपभोक्ताओं की भीड़ बढ़ गई है। इससे सिलिंडर लेने वाले उपभोक्ताओं को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। गैस एजेंसी के प्रबंधक संजय ढौंडियाल ने बताया कि प्लांट से सिलिंडरों की नियमित आपूर्ति हो रही है। उन्होंने कहा कि बुकिंग के मुताबिक उपभोक्ताओं को सिलिंडर दिए जा रहे हैं और गैस की कोई समस्या नहीं है।

सिमली में शनिवार को नही मिले सिलिंडर लौटे उपभोक्ताः

कर्णप्रयाग। सिमली इंडेन गैस एजेंसी में शनिवार को सिलिंडर नहीं मिले। यहां सुबह छह बजे से ही सिलिंडर लेने के लिए उपभोक्ताओं का पहुंचना शुरू हो गया था। बाद में एजेंसी प्रबंधन ने वाहन नहीं पहुंचने की सूचना दी। इसके बाद उपभोक्ता बिना सिलिंडर के वापस लौटे। सिमली सिलिंडर लेने पहुंचे उमेश खंडूड़ी ने कहा कि जब एजेंसी ऑनलाइन बुकिंग, डीएसी कोड पर ही सिलिंडर दे रही है तो होम डिलिवरी भी होनी चाहिए। इससे उपभोक्ता का समय बचेगा और एजेंसी में लाइन भी नहीं लगेगी।

बदरीनाथ आस्था पथ पर विकसित होंगे रुद्राक्ष वन, मिलेगा आध्यात्मिक अनुभव

चमोली। बदरीनाथ धाम आने वाले तीर्थयात्रियों को अब यात्रा मार्ग पर ही आध्यात्म और प्रकृति का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। वन विभाग बदरीनाथ धाम के आस्था पथ पर रुद्राक्ष वन विकसित करने की तैयारी में जुट गया है। अलकनंदा वन प्रभाग की ओर से इसके लिए भूमि चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। योजना के तहत अलग–अलग स्थानों पर करीब 50 हेक्टेयर भूमि चिह्नित कर रुद्राक्ष के पौधों को रोपा जाएगा। इसी के साथ ही बदरीनाथ हाईवे और आसपास के धार्मिक स्थलों के मार्गों पर धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व वाले पौधों को भी रोपित किया जाएगा ताकि तीर्थयात्रियों को पूरे यात्रा मार्ग में आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव मिले। इसके तहत पीपल, बरगद, भोजपत्र, बेलपत्री, आम,

देवदार, सुरांई और पदम जैसे पौधे रोपे जाएंगे। वन विभाग अलकनंदा नदी के किनारे भी कुछ स्थानों पर रुद्राक्ष वन विकसित करने की योजना बना रहा है। इससे नदी तटीय क्षेत्रों की सुंदरता बढ़ने के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी। वन संरक्षक (गढ़वाल) आकाश वर्मा ने बताया कि बदरीनाथ धाम के आस्था पथ को धार्मिक और पर्यावरणीय दृष्टि से विशेष स्वरूप देने के लिए प्रस्ताव तैयार किया गया है। इस पर काम भी शुरू कर दिया गया है। योजना के धरातल पर उतरने के बाद बदरीनाथ यात्रा मार्ग श्रद्धालुओं के लिए आस्था, प्रकृति और संस्कृति का अनोखा केंद्र बन सकेगा।

ऑलवेदर रोड परियोजना निर्माण से नष्ट हुए पेड़ः

बदरीनाथ हाईवे पर ऋषिकेश से बदरीनाथ धाम तक ऑलवेदर रोड परियोजना कार्य के चलते हाईवे किनारे कई धार्मिक महत्व के पेड़ों को नष्ट किया गया। खासकर पीपल, आम, बरगद और पदम के पेड़ हटाए गए।

स्तन कैंसर से बचाव को किया जागरूक

हल्द्वानी। राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग ने आंगनबाड़ी केंद्र धौलाखेड़ा में एक दिवसीय स्तन कैंसर जागरूकता एवं स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किया। प्राचार्य डॉ. जीएस तितियाल के निर्देशन और विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. साधना अवस्थी के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में रेडियोलॉजी, रेडियोथैरेपी विभाग और बाल विकास परियोजना की टीम ने विशेष सहयोग दिया। शिविर में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने स्थानीय महिलाओं को स्तन कैंसर के लक्षणों, बचाव के उपायों और समय पर जांच के महत्व के बारे बताया। शिविर 40 लाभार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। विशेष स्क्रीनिंग के तहत 10 महिलाओं की मैमोग्राफी जांच की गई,

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

आरसीबी और मुंबई के बीच हाईवोल्टेज मुकाबला, जीत की राह तलाशेगी बेंगलुरु

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच बेहद अहम मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमों के लिए यह मैच प्लेऑफ की रेस के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु जहां अपने अभियान को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश करेगी, वहीं मुंबई इंडियंस जीत की लय को बरकरार रखना चाहेगी। सीजन की शुरुआत में लगातार चार मुकाबले जीतकर शानदार प्रदर्शन करने वाली बेंगलुरु की टीम अब पिछले पांच मैचों में तीन हार झेल चुकी है, जिससे टीम की लय प्रभावित हुई है। ऐसे में अब टीम पर दबाव बढ़ गया है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु फिलहाल 10 मैचों में 12 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर मौजूद है, लेकिन लगातार हार ने टीम प्रबंधन की चिंता बढ़ा दी है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही थी और केवल 155 रन बना सकी। वहीं लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ आखिरी ओवर में 19 रन की जरूरत होने के बावजूद टीम लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई और उसे करीबी हार का सामना करना पड़ा। इन नतीजों ने साफ कर दिया है कि टीम की बल्लेबाजी इस समय सबसे बड़ी कमजोरी बन चुकी है।

एक बार फिर विराट कोहली पर टीम की बल्लेबाजी का पूरा दारोमदार रहेगा। अनुभवी बल्लेबाज विराट लगातार रन बना रहे हैं, लेकिन दूसरे बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे पा रहे हैं। सलामी बल्लेबाज जैकब बेथेल अब तक उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं और लगातार छोटी पारियां खेलकर आउट हुए हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा का बल्ला भी इस सीजन शांत रहा है। ऐसे में मध्यक्रम और निचले क्रम के बल्लेबाजों को जिम्मेदारी उठानी होगी।

दूसरी तरफ मुंबई इंडियंस की टीम शानदार लय में नजर आ रही है। पिछले मुकाबले में मुंबई ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ 228 रन का विशाल लक्ष्य हासिल कर अपने इरादे साफ कर दिए थे। रोहित शर्मा ने चोट से वापसी करते हुए 44 गेंदों में 84 रन की तूफानी पारी खेली थी। अब एक बार फिर रोहित शर्मा और रयान रिकेल्टन की सलामी जोड़ी टीम को मजबूत शुरुआत देने की कोशिश करेगी। वहीं जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट, कॉर्बिन बॉश और एएम गजनफर जैसे गेंदबाज बेंगलुरु के बल्लेबाजों के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकते हैं।

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या की फिटनेस भी चर्चा का विषय बनी हुई है। पीठ दर्द के कारण वह पिछले मुकाबले में नहीं खेल पाए थे। हालांकि अब वह टीम के साथ जुड़ चुके हैं, लेकिन अंतिम एकादश में उनकी वापसी फिटनेस रिपोर्ट पर निर्भर करेगी। ऐसे में यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए दबाव और रोमांच से भरपूर रहने वाला है।

टीवी पर डेब्यू करेंगे रोहित शर्मा, टीजर रिलीज होते ही फैंस में बढ़ी उत्सुकता

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रह चुके स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा अब टेलीविजन की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। शुक्रवार को उनके टीवी डेब्यू का एक शानदार टीजर जारी किया गया, जिसमें 'हिटमैन' नए अंदाज में नजर आए। हालांकि शो का नाम और बाकी जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। बताया गया है कि इससे जुड़ी पूरी घोषणा जल्द ही सोनी ग्रुप कारपोरेशन के प्लेटफॉर्म पर की जाएगी।

इस समय रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल 2026 में खेल रहे हैं और शानदार फॉर्म में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने अब तक पांच मैचों में 55.25 की औसत और 174 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 221 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से दो अर्धशतक निकले हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 84 रन रहा है। साल 2007 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले रोहित शर्मा आज भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े सितारों में गिने जाते हैं। उन्होंने अब तक 508 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 42.33 की औसत से 20,109 रन बनाए हैं। उनके नाम 50 शतक और 111 अर्धशतक दर्ज हैं। रोहित ने भारत को दो आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और दो टी20 विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाई है। इनमें से एक-एक खिताब उन्होंने कप्तान के रूप में दिलाया।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रोहित शर्मा भारत के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 159 मैचों में 4,231 रन बनाए, जिसमें पांच शतक और 32 अर्धशतक शामिल हैं। 2024 में टी20 विश्व कप जीतने के बाद उन्होंने इस फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था। रोहित का टेस्ट और वनडे रिकॉर्ड भी बेहद शानदार रहा है। उन्होंने 67 टेस्ट मैचों में 4,301 रन बनाए, जिसमें 12 शतक शामिल हैं। वहीं वनडे क्रिकेट में उनके नाम 282 मैचों में 11,577 रन दर्ज हैं। रोहित वनडे इतिहास के इकलौते बल्लेबाज हैं, जिन्होंने तीन दोहरे शतक लगाए हैं। उनका 264 रन का व्यक्तिगत स्कोर आज भी वनडे क्रिकेट का सर्वोच्च स्कोर है।

आईपीएल में भी रोहित शर्मा का रिकॉर्ड शानदार रहा है। वह लीग इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। उन्होंने 277 मैचों में 7,267 रन बनाए हैं। कप्तान के तौर पर उन्होंने मुंबई इंडियंस को पांच बार आईपीएल चैंपियन बनाया है। मैदान पर अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के अलावा रोहित शर्मा अपने मजाकिया अंदाज और बेबाक टिप्पणियों के लिए भी काफी लोकप्रिय हैं। स्टंप माइक में रिकॉर्ड हुई उनकी कई बातें सोशल मीडिया पर वायरल होती रही हैं, जिसके चलते वह क्रिकेट के साथ-साथ 'मीम मटीरियल' के रूप में भी फैंस के बीच बेहद चर्चित रहते हैं।

टीम इंडिया को मिलेगा नया स्पिन गुरु, सैराज बहुतुले जल्द संभाल सकते हैं बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम की कोचिंग व्यवस्था में जल्द बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। मुंबई के पूर्व लेग स्पिनर सैराज बहुतुले जल्द ही भारतीय टीम के साथ स्पिन बॉलिंग कोच के रूप में जुड़ सकते हैं। फिलहाल वह आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स के स्पिन बॉलिंग कोच की जिम्मेदारी निभा रहे हैं, लेकिन माना जा रहा है कि मौजूदा सीजन खत्म होने के बाद वह फ्रेंचाइजी से अलग हो जाएंगे। बीसीसीआई सूत्रों के मुताबिक, बहुतुले ने अपने कोचिंग कौशल से भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर को काफी प्रभावित किया है। दोनों के बीच इस भूमिका को लेकर सकारात्मक बातचीत हो चुकी है। उम्मीद जताई जा रही है कि उनका कार्यकाल जून में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज से शुरू हो सकता है।

53 वर्षीय सैराज बहुतुले ने 2001 से 2003 के बीच भारत के लिए दो टेस्ट और आठ वनडे मुकाबले खेले थे। हालांकि अंतरराष्ट्रीय करियर लंबा नहीं रहा, लेकिन घरेलू क्रिकेट और कोचिंग में उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। खासतौर पर स्पिन गेंदबाजों के साथ उनके काम को काफी सराहा जाता है। यही वजह है कि गौतम गंभीर ने उन्हें टीम इंडिया के सपोर्ट स्टाफ में शामिल करने की सिफारिश की है। वर्तमान में भारतीय टीम की कोचिंग यूनिट में बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक, तेज गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल, फील्डिंग कोच टी. दिलीप और सहायक कोच रयान टेन डेशकाटे शामिल हैं। अब तक टीम में कोई विशेषज्ञ स्पिन बॉलिंग कोच नहीं था, जिसे देखते हुए यह नियुक्ति अहम मानी जा रही है।

बहुतुले इससे पहले भी भारतीय टीम के साथ काम कर चुके हैं। वह राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से जुड़े रहे हैं, जहां वीवीएस लक्ष्मण के नेतृत्व में उन्होंने कई युवा खिलाड़ियों के साथ काम किया। पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने भी 2023 की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान उन्हें भारतीय टीम से जोड़ने की विशेष सिफारिश की थी। श्रीलंका दौरे पर भी वह सपोर्ट स्टाफ का हिस्सा रह चुके हैं। आईपीएल 2026 से पहले सैराज बहुतुले पंजाब किंग्स से जुड़े थे, जहां वह मुख्य कोच रिकी पोंटिंग के साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले वह राजस्थान रॉयल्स में राहुल द्रविड़ के साथ भी कोचिंग भूमिका निभा चुके हैं। माना जा रहा है कि भारतीय टीम के साथ जुड़ने के लिए उन्हें पंजाब किंग्स का कार्यकाल समय से पहले छोड़ना पड़ सकता है। हालांकि, भारतीय टीम में योगदान देने के अवसर को देखते हुए फ्रेंचाइजी उनके रास्ते में रुकावट नहीं डालेगी। फिलहाल बहुतुले ने इस मामले पर सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

चेन्नई और लखनऊ के बीच करो या मरो की जंग

- प्लेऑफ की उम्मीद बचाने उतरेगी सीएसके

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 अब अपने बेहद रोमांचक और निर्णायक दौर में पहुंच चुका है। ऐसे में हर मुकाबला टीमों के लिए करो या मरो जैसा बन गया है। रविवार को पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स का सामना लखनऊ सुपर जाएंट्स से होगा। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए यह मुकाबला बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि टीम को प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। अंक तालिका में फिलहाल छठे स्थान पर मौजूद चेन्नई की टीम अब कोई गलती करने के मूड में नहीं है। दूसरी ओर लखनऊ सुपर जाएंट्स की स्थिति और भी खराब है। टीम अंक तालिका में सबसे नीचे चल रही है और उसकी प्लेऑफ की उम्मीदें लगभग खत्म होने की कगार पर पहुंच चुकी हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स का प्रदर्शन इस सीजन काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। टीम घरेलू और विदेशी दोनों मैदानों पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में सफल नहीं हो सकी। हालांकि चेपॉक में वापसी के बाद टीम को फिर से लय हासिल करने की उम्मीद है। बल्लेबाजी विभाग में काफी हद तक संजू सैमसन ने जिम्मेदारी संभाली है। उन्होंने कई मुकाबलों में शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को जीत दिलाई। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में सैमसन ने 52 गेंदों में 87 रन की शानदार पारी खेली थी। वहीं कप्तान रुतुराज गायकवाड़ भी फॉर्म हासिल करने की कोशिश में जुटे हैं। मई की शुरुआत में उन्होंने लगातार दो अर्धशतक लगाकर वापसी के संकेत दिए थे। अब टीम को उनसे एक बड़ी कप्तानी पारी की उम्मीद रहेगी।

मध्यक्रम में डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, कार्तिक शर्मा और जेमी ओवरटन की भूमिका भी काफी महत्वपूर्ण रहने वाली है। वहीं महेंद्र सिंह धोनी की फिटनेस अब भी चर्चा का विषय बनी हुई है। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले लगी पिंडली की चोट के कारण वह अब तक एक भी मुकाबला नहीं खेल पाए हैं। हालांकि उन्होंने नेट्स में अभ्यास शुरू कर दिया है, लेकिन अंतिम एकादश में उनकी वापसी को लेकर अब भी संशय बना हुआ है। धोनी की गैरमौजूदगी ने टीम के अनुभव और फिनिशिंग क्षमता को प्रभावित किया है।

दूसरी तरफ लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए यह सीजन बेहद निराशाजनक रहा है। टीम ने 10 मुकाबलों में सिर्फ तीन जीत दर्ज की है। कप्तान ऋषभ पंत का बल्ला भी इस सीजन खामोश रहा है। हालांकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ उन्होंने तूफानी पारी खेली थी, लेकिन निरंतरता की कमी साफ नजर आई। पिछले मुकाबले में मिचेल मार्श ने 56 गेंदों में 111 रन बनाकर टीम को शानदार जीत दिलाई थी। अब लखनऊ की टीम उसी आत्मविश्वास के साथ चेन्नई को चुनौती देने उतरेगी। गेंदबाजी में मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव, शाहबाज अहमद और दिग्वेश राठी पर टीम की बड़ी जिम्मेदारी रहने वाली है।

प्रिंस यादव की रफ्तार ने जीता दिल, अंबाती रायुडू बोले- जल्द टीम इंडिया में मिलेगा मौका

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में युवा तेज गेंदबाज प्रिंस यादव अपनी धारदार गेंदबाजी से लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उन्होंने जिस तरह से मैच का रुख पलटा, उसने क्रिकेट विशेषज्ञों को भी प्रभावित कर दिया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने तो यहां तक कह दिया कि प्रिंस यादव जल्द ही भारतीय टीम के लिए खेलते नजर आ सकते हैं। रायुडू ने उनके प्रदर्शन को बेहद खास बताते हुए कहा कि इस युवा गेंदबाज में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने की पूरी क्षमता दिखाई देती है। अंबाती रायुडू ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि प्रिंस यादव का आत्मविश्वास और गेंदबाजी का तरीका उन्हें बाकी युवा गेंदबाजों से अलग बनाता है। उन्होंने कहा कि प्रिंस का रन-अप देखकर ही समझ आता है कि वह बल्लेबाज पर दबाव बनाने के इरादे से गेंदबाजी करते हैं। उनकी सबसे बड़ी ताकत यह है कि वह लगातार स्टंप लाइन पर गेंद डालते हैं और बल्लेबाजों को गलती करने के लिए मजबूर कर देते हैं। रायुडू ने खास तौर पर विराट कोहली को आउट करने वाली गेंद की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वह गेंद टूर्नामेंट की सबसे शानदार गेंदों में से एक थी। गेंद आखिरी समय में जिस तरह अंदर की ओर स्विंग हुई और सीधे स्टंप्स से टकराई, उसे खेलना किसी भी बल्लेबाज के लिए मुश्किल था। रायुडू ने कहा कि दुनिया का कोई भी बल्लेबाज उस गेंद पर संघर्ष करता। उन्होंने यह भी कहा कि विराट कोहली जैसे बड़े बल्लेबाज को क्लीन बोल्ड करना किसी युवा गेंदबाज के लिए बेहद खास उपलब्धि होती है। मुकाबले में प्रिंस यादव ने चार ओवर में 33 रन देकर तीन अहम विकेट अपने नाम किए। उन्होंने विराट कोहली के अलावा देवदत्त पडिक्कल और जितेश शर्मा को भी पवेलियन भेजा। उनकी शानदार गेंदबाजी की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने मुकाबला 9 रन से जीत लिया।

इटेलियन ओपन में बड़ा उलटफेर, युवा प्रिज़मिक ने नोवाक जोकोविच को बाहर किया

रोम (एजेंसी)। इटेलियन ओपन 2026 में टेनिस जगत को बड़ा झटका लगा जब छह बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच दूसरे दौर में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गए। क्रोएशिया के युवा खिलाड़ी डिनो प्रिज़मिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अनुभवी सर्बियाई स्टार को तीन सेटों तक चले मुकाबले में 2-6, 6-2, 6-4 से हराकर सनसनी फैला दी। इस जीत के साथ प्रिज़मिक ने टूर्नामेंट के अंतिम-32 में जगह बना ली और अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। मुकाबले की शुरुआत में ऐसा लग रहा था कि नोवाक जोकोविच आसानी से मैच पर कब्जा जमा लेंगे। पहले सेट में उन्होंने अपने अनुभव और क्लास का शानदार प्रदर्शन किया। बेहतरीन ड्रॉप शॉट, तेज फोरहैंड विनर्स और सटीक सर्विस की बदौलत जोकोविच ने शुरुआती सेट 6-2 से अपने नाम किया। उस समय प्रिज़मिक दबाव में नजर आ रहे थे और जोकोविच पूरी तरह मैच पर नियंत्रण बनाए हुए थे। लेकिन दूसरे सेट से मुकाबले की तस्वीर पूरी तरह बदल गई।

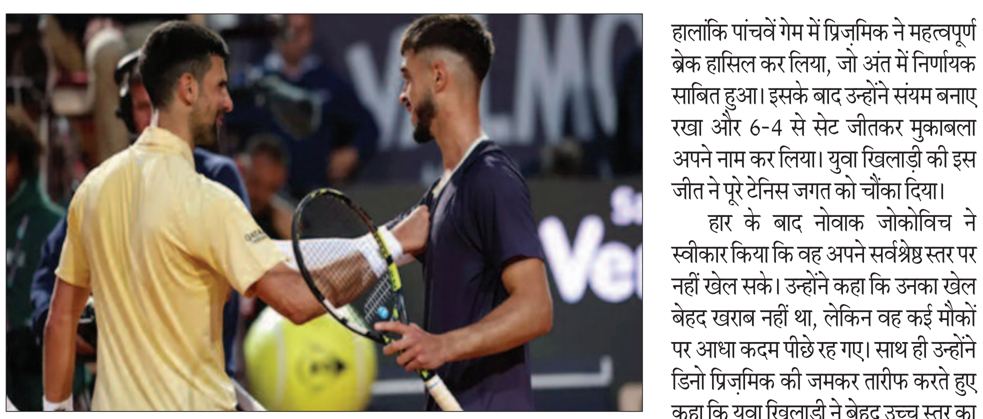

दूसरे सेट में डिनो प्रिज़मिक ने आक्रामक टेनिस खेलना शुरू किया। उन्होंने शुरुआत से ही जोकोविच पर दबाव बनाया और लगातार शानदार रिटर्न के दम पर तेजी से 4-0 की बढ़त हासिल कर ली। दूसरी ओर जोकोविच की पहली सर्विस कमजोर पड़ने लगी, जिसका पूरा फायदा युवा क्रोएशियाई खिलाड़ी ने उठाया। प्रिज़मिक ने दूसरे सेट को 6-2 से जीतकर मुकाबले में जोरदार वापसी की और जोकोविच को बैकफुट पर धकेल दिया।

तीसरे और निर्णायक सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला। हर अंक के लिए लंबी रैलियां चलीं और मुकाबला रोमांचक होता गया। हालांकि पांचवें गेम में प्रिज़मिक ने महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल कर लिया, जो अंत में निर्णायक साबित हुआ। इसके बाद उन्होंने संयम बनाए रखा और 6-4 से सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। युवा खिलाड़ी की इस जीत ने पूरे टेनिस जगत को चौंका दिया।

हार के बाद नोवाक जोकोविच ने स्वीकार किया कि वह अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर नहीं खेल सके। उन्होंने कहा कि उनका खेल बेहद खराब नहीं था, लेकिन वह कई मौकों पर आधा कदम पीछे रह गए। साथ ही उन्होंने डिनो प्रिज़मिक की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि युवा खिलाड़ी ने बेहद उच्च स्तर का टेनिस खेला और खासकर उसके फोरहैंड में काफी सुधार देखने को मिला। अब टूर्नामेंट में सबकी निगाहें दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी यानिक सिनर पर होंगी, जो शनिवार को अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। वहीं महिला वर्ग में चीन की झेंग किनवेन का मुकाबला पूर्व फ्रेंच ओपन चैंपियन जेलेना ओस्टापेंको से होगा।

नेमार अब भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल : लियोनेल मेसी

ब्यूनस आयर्स (ईएमएस)। दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने ब्राजील के स्टार खिलाड़ी नेमार की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि वह आज भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल हैं। मेसी ने उम्मीद जताई कि नेमार अगले महीने होने वाले फीफा वर्ल्ड कप में खेलते नजर आएंगे। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मेसी ने 'लो डेल पोलो शो' में बातचीत के दौरान कहा कि हर कोई चाहता है कि विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हिस्सा लें और नेमार हमेशा उन खिलाड़ियों में शामिल रहेंगे। उन्होंने कहा कि ब्राजील और फुटबॉल जगत के लिए नेमार का महत्व बहुत बड़ा है, इसलिए उन्हें विश्व कप में देखना शानदार होगा। मेसी ने स्वीकार किया कि नेमार के साथ उनकी गहरी दोस्ती के कारण वह इस मामले में पूरी तरह निष्पक्ष नहीं रह सकते। उन्होंने कहा कि नेमार उनके करीबी दोस्त हैं और वह चाहते हैं कि उनके साथ अच्छी चीजें हों, क्योंकि वह एक बेहतरीन इंसान हैं और इसके हकदार भी हैं। मेसी ने उम्मीद जताई कि नेमार पूरी तरह फिट होकर विश्व कप में वापसी करेंगे। अर्जेंटीना के कप्तान ने नेमार के व्यक्तित्व की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि नेमार में एक अलग तरह का करिश्मा है और वह दिखावा नहीं करते। मेसी के अनुसार नेमार अपनी जिंदगी अपने तरीके से जीते हैं और इस बात की ज्यादा चिंता नहीं करते कि लोग उनके बारे में क्या सोचते हैं। यही बात उन्हें बेहद स्वाभाविक और खास बनाती है। आठ बार बैलन डीओर जीत चुके मेसी ने यह भी माना कि अर्जेंटीना के लिए 2022 विश्व कप खिताब का बचाव करना आसान नहीं होगा। उन्होंने स्पेन, फ्रांस और ब्राजील को टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीमों में गिना। मेसी ने कहा कि विश्व कप हमेशा कठिन प्रतियोगिता होती है क्योंकि इसमें दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमें हिस्सा लेती हैं। उन्होंने माना कि अर्जेंटीना को उम्मीद जरूर रखनी चाहिए, लेकिन यह भी स्वीकार करना होगा कि कई टीमें बेहद मजबूत स्थिति में हैं। नेमार और मेसी ने लंबे समय तक क्लब फुटबॉल में साथ खेला है। दोनों 2013 से 2017 तक एफसी बार्सिलोना के लिए खेले, जबकि 2021 से 2023 तक दोनों पेरिस सेंट-जर्मेन फुटबॉल क्लब में भी टीम साथी रहे। फिलहाल नेमार चोटों से जूझ रहे हैं। अपने बचपन के क्लब सांतोस फुटबॉल क्लब में वापसी के बाद से वह लगातार फिटनेस समस्याओं से परेशान रहे हैं। अक्टूबर 2023 में उरुग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के दौरान उनके एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट में चोट लगी थी, जिसके बाद से वह ब्राजील की राष्ट्रीय टीम से बाहर चल रहे हैं।

ब्रूनो फर्नांडिस और खादिजा शॉ बने इंग्लैंड के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर, प्रतिष्ठित सम्मान पर जमाया कब्जा

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड में खेल रहे फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए दिए जाने वाले प्रतिष्ठित फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन पुरस्कार में इस बार मैनचेस्टर यूनाइटेड के कप्तान ब्रूनो फर्नांडिस और मैनचेस्टर सिटी विमेंस की स्टार स्ट्राइकर खादिजा शॉ ने बाजी मारी है। पुरुष वर्ग में ब्रूनो फर्नांडिस को साल का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर चुना गया, जबकि महिला वर्ग में 'बनी' शॉ के नाम से मशहूर खादिजा शॉ ने लगातार दूसरी बार यह सम्मान हासिल कर इतिहास रच दिया। फुटबॉल जगत में इन दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धि को बेहद खास माना जा रहा है।

पुर्तगाल के स्टार मिडफील्डर ब्रूनो फर्नांडिस ने इस सीजन मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए शानदार प्रदर्शन किया। पूरे सीजन में उन्होंने गोल करने के साथ-साथ गोल बनवाने में भी अहम भूमिका निभाई और कुल 19 गोल योगदान के जरिए टीम को कई मुश्किल मुकाबलों में जीत दिलाई। क्लब के लिए यह सीजन उतार-चढ़ाव भरा रहा, लेकिन ब्रूनो लगातार टीम के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ी साबित हुए। उनकी कप्तानी और शानदार नेतृत्व क्षमता ने मैनचेस्टर यूनाइटेड की यूरोपीय प्रतियोगिताओं में जगह बनाने की उम्मीदों को भी जिंदा रखा। यही वजह रही कि फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन के 900 से ज्यादा सदस्यों में से 45 प्रतिशत वोट ब्रूनो फर्नांडिस के पक्ष में पड़े।

ब्रूनो ने इस पुरस्कार की दौड़ में इंग्लैंड के डेक्लान राइस और नॉर्वे के स्टार स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा। वह 2010 में वेन रूनी के बाद यह सम्मान जीतने वाले मैनचेस्टर यूनाइटेड के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। यह पुरस्कार वर्ष 1947 से दिया जा रहा है और इसे दुनिया के सबसे पुराने व्यक्तिगत फुटबॉल सम्मानों में गिना जाता है।

महिला वर्ग में खादिजा शॉ ने एक बार फिर अपनी जबरदस्त गोल स्कोरिंग क्षमता से सभी को प्रभावित किया। मैनचेस्टर सिटी विमेंस की इस स्टार स्ट्राइकर ने 21 मुकाबलों में 19 गोल दागकर टीम को 10 साल बाद महिला सुपर लीग का खिताब दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई। उनकी शानदार फॉर्म पूरे सीजन चर्चा में रही। शॉ ने इस रेस में एलेसिया रूसो और लॉरेन जेम्स जैसी स्टार खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा। लगातार दूसरे साल यह पुरस्कार जीतकर उन्होंने महिला फुटबॉल में अपनी मजबूत पहचान और भी पुख्ता कर ली है।

फुटबॉल विशेषज्ञों का मानना है कि ब्रूनो फर्नांडिस और खादिजा शॉ ने पूरे सीजन जिस निरंतरता और दबाव में प्रदर्शन किया, उसने उन्हें इस सम्मान का सबसे बड़ा दावेदार बना दिया। दोनों खिलाड़ियों ने साबित किया कि टीम के लिए लगातार योगदान और निर्णायक मौकों पर प्रदर्शन ही किसी खिलाड़ी को महान बनाता है।

आईपीएल के बीच अर्शदीप सिंह की व्लॉगिंग पर बीसीसीआई की रोक, ई-सिगरेट विवाद के बाद लिया फैसला

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के बीच पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह एक नए विवाद में घिर गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने उन्हें सोशल मीडिया के लिए व्लॉगिंग बंद करने का निर्देश दिया है। यह कदम उनके टीम साथी युजवेंद्र चहलद्य से जुड़े कथित ई-सिगरेट विवाद के बाद उठाया गया है। दरअसल, अर्शदीप सिंह के हालिया व्लॉग के एक हिस्से को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा शुरू हो गई थी। यूजर्स ने दावा किया कि पंजाब किंग्स की टीम जब अहमदाबाद से हैदराबाद जा रही थी, तब फ्लाइट के अंदर युजवेंद्र चहल ई-सिगरेट का इस्तेमाल करते दिखाई दिए। हालांकि इस मामले में अब तक न तो खिलाड़ियों की ओर से और न ही फ्रेंचाइजी की तरफ से कोई आधिकारिक बयान जारी किया गया है। सूत्रों के अनुसार, बीसीसीआई ने अर्शदीप सिंह को टूर्नामेंट के बाकी बचे मुकाबलों के दौरान किसी भी तरह के व्लॉग या बिहाइंड-द-सीन वीडियो पोस्ट करने से बचने को कहा है। बोर्ड नहीं चाहता कि ड्रेसिंग रूम या टीम के निजी माहौल से जुड़ी कोई ऐसी चीज सार्वजनिक हो, जिससे विवाद पैदा हो या लीग की छवि प्रभावित हो। आईपीएल 2026 में ई-सिगरेट से जुड़ा यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले रेयान पराग भी विवादों में आ चुके हैं।